संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 83
पृष्ठ 8
बुधवार
11 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– मेंस अपनी वार्डरोब में ...

विचार– सीरिया में तख्तापलट....

खेल– मोहम्मद सिराज और ...

खुद को समय की धारा के अनुरूप तैयार करना होगा : योगी

● सीएम योगी ने कहा– 'जीवन का उद्देश्य सिर्फ 'नौकरी'–'डिग्री' हासिल करना नहीं हो सकता, विजन और एक्शन भी जरूरी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कालचक्र किसी की परवाह नहीं करता है, उसका प्रवाह निरंतर चलता रहता है, इसलिए हमें खुद को समय की धारा के अनुरूप तैयार करना होगा। समय के अनुरूप सोचने और चलने की आदत डालनी होगी। समय के अनुरूप खुद को तैयार न कर पाने वाले पिछड़ कर पिछलग्गू हो जाते हैं। सीएम योगी मंगलवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम समय के अनुरूप समाज के प्रत्येक तबके को जोड़ते हुए टीम भावना के साथ समाज और देश हित के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएं। जब सामूहिकता की भावना और टीम वर्क से प्रयास किए जाएंगे तो परिणाम भी उसी के अनुरूप सार्थक आएंगे। परिणाम ही प्रयास और तैयारी के स्तर का वास्तविक परिचय देता है।

टीम वर्क से सफलता का प्रमाण है इंसेफेलाइटिस पर नियंत्रण

टीम वर्क और परिणाम के बीच साम्य को समझाते हुए मुख्यमंत्री ने इंसेफेलाइटिस नियंत्रण की सफलता को भी उद्घृत किया। उन्होंने बताया कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का बचपन इंसेफेलाइटिस के दुष्चक्र में 1977 से लेकर 40 साल तक फंसा रहा। पूर्वी उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में पचास हजार से अधिक बच्चों की मौत हो गई। पहले उपचार की व्यवस्था नहीं थी। उपचार की व्यवस्था हुई, वैक्सीन आया तो वायरस ने अपना नेचर चेंज कर लिया। 2017 में जब हमारी सरकार आई तो प्रदेश और केंद्र सरकार ने टीम भावना के साथ, डब्लूएचओ, यूनिसेफ और अन्य संगठनों के सहयोग तथा सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय से मिलकर लड़ाई लड़ी। इसका परिणाम रहा कि 40 साल की समस्या का समाधान 2 साल में हो गया। इंसेफेलाइटिस नियंत्रण की सफलता कठिन चुनौतियों का सामना करने से लेकर टीम भावना से परिणाम प्राप्त करने की यात्रा रही है।

मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से बचें, रचनात्मक गतिविधियों को दें समय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज की पीढ़ी के मोबाइल फोन के इस्तेमाल में अत्यधिक समय बिताने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी मोबाइल के उपयोग में अनावश्यक अत्यधिक समय बिताने से बचे। अपना समय प्रकृति के बीच, रचनात्मक कार्यों, अध्ययन और कौशल विकास की गतिविधियों में बिताए। उन्होंने आगाह किया कि हमें यह ध्यान रखना होगा कि तकनीकी हमसे संचालित हो, हम तकनीकी से संचालित न हों।

रुचि के अनुसार लीक से हटकर कुछ नया करने का हो प्रयास

नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के जीवन से सीख लेने की बात करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी रुचि के अनुसार लीक से हटकर कुछ नया करने का प्रयास करना चाहिए। यह क्षेत्र समाज सेवा, सामाजिक चेतना, महिला एवं बाल उत्थान, अन्नदाता किसानों के जीवन में परिवर्तन या समाज से जुड़ा कुछ भी हो सकता है। हम किसी भी एक क्षेत्र को चुनकर आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र में, रुचि के अनुसार ईमानदारी और कठिन परिश्रम से कार्य करेंगे तो परिणाम अवश्य आएगा। उन्होंने कहा कि जीवन शॉर्टकट का मार्ग नहीं है। जीवन में सफलता के सतत प्रवाह के लिए परिश्रम और ईमानदारी का कोई विकल्प नहीं है।

अरविंद केजरीवाल की ऑटोवालों को पांच बड़ी गारंटी

● बच्चों की कोचिंग का खर्च और मिलेगा इंश्योरेंस

नई दिल्ली, एजेंसी। महत्वपूर्ण दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले अरविंद केजरीवाल ने ऑटो चालकों के साथ आज दोपहर का भोजन किया। इस दौरान उन्होंने ऑटो चालकों के लिए 10 लाख रुपये का बीमा और उनकी बेटियों की शादी के लिए 1 लाख रुपये सहित कई उपायों का वादा किया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑटो चालकों को वर्दी भत्ते के रूप में साल में दो बार 2,500 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने उनके बच्चों को मुफ्त कोचिंग और 'पूचो' ऐप को फिर से लॉन्च करने का भी आश्वासन दिया। ऐप लोगों को पंजीकृत ऑटो चालकों के मोबाइल नंबरों के दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी–मॉडल ट्रांजिट सिस्टम द्वारा विकसित डेटाबेस तक पहुंचने और सवारी बुक करने के लिए उन्हें कॉल करने की अनुमति देता है। इससे पहले, आम आदमी पार्टी ने सोमवार को दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने पटपड़गंज से सिसौदिया की सीट बदल दी। वह अब जंगपुरा सीट से चुनाव लड़ेंगे. सिसौदिया की पुरानी सीट पटपड़गंज से अवध ओझा को उम्मीदवार बनाया गया है। सूची में जंगपुरा से मनीष सिसौदिया, नरेला से दिनेश भारद्वाज, तिमारपुर से सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू, आदर्श नगर से मुकेश गोयल, मंगोलपुरी से राकेश जाटव धर्मरक्षक और रोहिणी से प्रदीप मित्तल का नाम शामिल है। अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची में, आम आदमी पार्टी ने 17 मौजूदा विधायकों को हटा दिया है और उनकी जगह नए चेहरों को मैदान में उतारा है।

जनता के मुद्दों पर सरकार संसद में नहीं चाहती चर्चा : प्रियंका

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार संसद में जनता के मुद्दों को उठाने से परहेज करती है,इसलिए भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा नहीं होती। श्रीमती वाड्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए आज यहां कहा कि सरकार नहीं चाहती है कि जनता से जुड़े मुद्दे सदन में उठाई जाए। सरकार जनता के सवालों से भागना चाहती है,इसलिए संसद में किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं कराना चाहती। उन्होंने कहा,"भाजपा सरकार नहीं चाहती कि संसद में मोडानी महाघोटाला, गिरती अर्थव्यवस्था, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और मणिपुर में अशांति पर चर्चा हो। अडानी के भ्रष्टाचार की वजह से जनता को बड़े–बड़े बिल चुकाने पड़ रहे हैं। चर्चा और सवालों से भागने के लिए भाजपा सरकार ऐसे झूठ का सहारा ले रही है जिसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खंडन हो रहा है। संसद में जनता के मुद्दों पर चर्चा से इतना डर क्यों। भाजपा क्यों नहीं चाहती कि जनता के मुद्दों पर सदन में चर्चा हो।"

धनखड़ के खिलाफ इंडिया समूह का अविश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया समूह ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर इसे राज्यसभा महासचिव को सौंप दिया है। इंडिया समूह की तरफ से कहा गया है कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है, जो मजबूरी में लिया गया है। राज्यसभा के सभापति का व्यवहार बहुत ही पक्षपातपूर्ण रहा है। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि सदस्यों ने सदन में भी सभापति को कहा कि पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। उनका कहना था कि गठबंधन के विभिन्न दलों के नेताओं का इस संबंध में एक ही रुख था, इसलिए प्रस्ताव लाया गया है। यह पूछने पर कि कितने सदस्यों ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं, उन्होंने कुछ नहीं बताया लेकिन कहा कि यह निर्णय मजबूरी में लेना पड़ा है। उन्होंने कहा, "राज्यसभा के माननीय सभापति द्वारा अत्यंत पक्षपातपूर्ण तरीक़े से उच्च सदन की कार्यवाही का संचालन करने के कारण इंडिया समूह के सभी घटक दलों के पास उनके ख़िलाफ़ औपचारिक रूप से अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। गठबंधन की पार्टियों के लिए यह बेहद ही कष्टकारी निर्णय रहा है लेकिन संसदीय लोकतंत्र के हित में यह अभूतपूर्व कदम उठाना पड़ा है। यह प्रस्ताव अभी राज्यसभा के महासचिव को सौंपा गया है।"

सिसोदिया ने हार के डर से बदली सीट : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी पर दिल्ली को बदहाल करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि आप नेता मनीष सिसोदिया ने हार के डर से अपनी सीट बदलकर जंगपुरा से चुनाव लड़ने की घोषणा की, लेकिन उन्हें यहाँ भी हार का मुँह देखना पड़ेगा। दिल्ली नगर निगम के पूर्व महापौर एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता फरहाद सूरी ने मंगलवार को कहा कि मनीष सिसोदिया ने पड़पड़गंज की जनता से दस साल तक झूठे वादे करके इलाके को बदहाली के कगार पर ला दिया। उन्हें लगा कि सीट बदलने से लोग उन्हें भूल जाएँगे, लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है। जंगपुरा के मौजूदा विधायक ने भी इलाके में कोई काम नहीं किया। जंगपुरा विधानसभा की सड़के खस्ताहाल है और जगह–जगह सीवर के गंदे पानी सड़क पर बह रहे हैं।

दिग्गज राजनेता एसएम कृष्णा का निधन

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक और भारत के सबसे प्रतिष्ठित राजनेताओं में से एक और पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा का मंगलवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आधुनिक बेंगलुरु के वास्तुकार माने जाने वाले कृष्णा ने कुछ समय तक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने के बाद आज सुबह 2:45 बजे अपने आवास पर अंतिम सांस ली। भारतीय राजनीति में एक महान व्यक्तित्व, कृष्णा का शानदार करियर दशकों तक रहा, जो ऐतिहासिक उपलब्धियों और शासन के लिए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को चिह्नित करता है। उनका जन्म एत मई, 1932 को मांड्या जिले के सोमनहल्ली गांव में हुआ। उन्होंने 1962 में मद्दूर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले एक स्वतंत्र विधायक के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल (1999–2004) अभूतपूर्व वृद्धि एवं विकास के युग की शुरुआत के लिए याद किया जाता है। उनके नेतृत्व के दौरान बेंगलुरु भारत की सिलिकॉन वैली के रूप में उभरा, जिसने प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के केंद्र के रूप में वैश्विक पहचान प्राप्त की। कृष्णा का योगदान कर्नाटक तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल (2004–2008) और भारत के विदेश मंत्री (2009–2012) के रूप में कार्य किया, जहां उनके राजनयिक कौशल ने भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत किया। वह दिल से शिक्षाविद और मैसूर के महाराजा कॉलेज और बेंगलुरु के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज के पूर्व छात्र थे। ज्ञान की उनकी खोज उन्हें अमेरिका ले गई, जहां उन्होंने दक्षिणी मेथोडिस्ट विश्वविद्यालय, टेक्सास और जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की। कृष्णा अपने राजनीतिक करियर में लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी के सदस्य रहे और अपने करियर के अंत में उनका भाजपा में शामिल होने का निर्णय पार्टी लाइनों से ऊपर उठककर सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी अनुकूलनशीलता एवं प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। कृष्णा एक दूरदर्शी नेता थे और उनकी विरासत प्रगति के प्रति उनके अटूट समर्पण में निहित है, चाहे वह शासन, शहरी विकास या विदेश नीति हो। उनका निधन कर्नाटक के राजनीतिक इतिहास में एक युग का अंत है, जिसने राज्य और राष्ट्र पर एक अमिट छाप छोड़ी। एसएम कृष्णा को पूरे देश से श्रद्धांजलि मिल रही है, उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने ज्ञान को कार्रवाई के साथ जोड़ा, कर्नाटक को आधुनिक बनाया और नेताओं की पीढ़ियों को प्रेरित किया।

हाथरस में कंटेनर और मैक्स की भीषण टक्कर, सात की मौत, 13 घायल

हाथरस, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हाथरस जंक्शन के गांव जैतपुर के पास मथुरा–बरेली मार्ग पर कंटेनर और मैक्स के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में मैक्स में सवार सात लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में तीन महिलाएं और एक बच्चा है। 13 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिसमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदपा के गांव कुम्हरई के 20 लोग रिश्तेदार समेत मैजिक से एटा के गांव नगला इमलिया के निवासी कैंसर मरीज को देखने के लिए जा रहे थे। गांव जैतपुर के पास कंटेनर ने मैजिक में टक्कर मार दी। टक्कर से मैजिक पलटते हुए खड्डे में जा गिरी। ग्रामीणों ने मैजिक में से घायलों को बाहर निकाला।

180 साल पुराने नूरी जामा मस्जिद पर चला योगी सरकार का बुलडोजर, अवैध हिस्से को किया जमींदोज

फ़तेहपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के फ़तेहपुर जिले में 180 साल पुरानी नूरी जामा मस्जिद के एक बड़े हिस्से को जिला प्रशासन द्वारा नोटिस जारी करने के बाद मंगलवार को बुलडोज़र से ढहा दिया गया। एक अधिकारी ने कहा कि बांदा सागर रोड पर ललौली शहर में स्थित मस्जिद समिति द्वारा दो नोटिस जारी किए जाने के बाद भी अतिक्रमण हटाने में विफल रहने के बाद विध्वंस हुआ। जिस हिस्से को ढहाया गया, उसका निर्माण पिछले तीन वर्षों में बांदा–बहराइच

रोड पर मस्जिद का विस्तार करने के लिए किया गया था, जिससे सड़क के प्रस्तावित चौड़ीकरण में बाधा उत्पन्न हुई। ध्वस्त खंड का निर्माण पिछले तीन वर्षों में बांदा–बहराइच रोड (राज्य राजमार्ग 13) पर मस्जिद का विस्तार करने के लिए किया गया था, जिससे सड़क के प्रस्तावित चौड़ीकरण में बाधा उत्पन्न हुई। मस्जिद को गिराने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग ने एक महीने पहले नोटिस दिया था। यूपी सरकार ने कहा कि फतेहपुर जिले के बहराइच–बांदा मार्ग (एसएच–13) को चौड़ा करने के लिए पीडब्ल्यूडी सड़क किनारे अवैध निर्माण हटा रहा है। आज ललौली में नूरी मस्जिद प्रबंध कमेटी द्वारा किये गये अवैध निर्माण को सौहार्दपूर्वक हटाया गया। इसके साथ ही कहा गया है कि अवैध निर्माण को लेकर पीडब्ल्यूडी ने 17 अगस्त को कमेटी को नोटिस जारी किया था।

सिसोदिया ने जंगपुरा विधानसभा में किया प्रचार का आगाज

नयी दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को किलोकरी स्थित अंगूरी देवी मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर जंगपुरा विधानसभा में चुनाव प्रचार का आगाज किया। श्री सिसोदिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एक शिक्षा मंत्री और उप–मुख्यमंत्री के तौर पर पूरी दिल्ली का जिम्मा मुझे मिला है। चुनाव कहां से लड़ते हैं, यह मायने नहीं रखता है। जब पटपड़गंज से विधायक और दिल्ली का उपमुख्यमंत्री था, तब भी जंगपुरा के लिए खूब काम किया। जंगपुरा के लोग विधायक के रूप में चुनेंगे फिर भी पूरी दिल्ली के लिए काम होगा और पूरी दिल्ली के लिए ही काम होना है। उसमें कोई फर्क नहीं पड़ता है।

साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नये खतरे : मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन को मानवाधिकारों के लिए नए खतरे करार देते हुए ऐसे सुरक्षित, संरक्षित और न्यायसंगत डिजिटल माहौल के महत्व पर बल दिया है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों और सम्मान की रक्षा हो। श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित मानवाधिकार दिवस समारोह में कहा," मानवाधिकार दिवस पर, हमें न्याय, समानता और सम्मान के मूल्यों के प्रति नये सिरे से अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता करनी चाहिए जो हमारे राष्ट्र को परिभाषित करते हैं। हमें प्रत्येक व्यक्ति के मौलिक अधिकारों को बनाए रखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी पीछे न छूटे। एक साथ, निरंतर प्रयास और एकजुटता के माध्यम से, हम एक ऐसा भविष्य बना सकते हैं जिसमें हर व्यक्ति, चाहे उसकी उम्र, पृष्ठभूमि या परिस्थिति कुछ भी हो, सम्मान, अवसर और पूर्णता का जीवन जीने के लिए सशक्त हो।" राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सभी नागरिकों को नागरिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी देने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है। सरकार सभी के लिए आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वच्छता, बिजली, रसोई गैस और वित्तीय सेवाओं से लेकर स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक कई सामाजिक–आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों की गारंटी भी देती है। बुनियादी आवश्यकताओं के प्रावधान को अधिकारों के मामले के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे हम भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, हम उभरती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। डिजिटल युग, परिवर्तनकारी होने के साथ–साथ अपने साथ साइबरबुलिंग, डीपफेक, गोपनीयता संबंधी चिंता और गलत सूचना के प्रसार जैसे जटिल मुद्दे लेकर आया है। ये चुनौतियाँ एक सुरक्षित, संरक्षित और न्यायसंगत डिजिटल वातावरण को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित करती हैं जो प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब दैनिक जीवन में प्रवेश कर चुका है, कई समस्याओं का समाधान कर रहा है और कई नई समस्याएँ भी पैदा कर रहा है। अब तक मानवाधिकारों का विमर्श मानव एजेंसी पर केंद्रित रहा है, यानी उल्लंघनकर्ता को एक इंसान माना जाता है, जिसमें करुणा और अपराधबोध जैसी मानवीय भावनाएँ होती हैं। हालाँकि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में अपराधी कोई गैर–मानव लेकिन बुद्धिमान एजेंट हो सकता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि जलवायु परिवर्तन हमें वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की सोच की समीक्षा करने के लिए मजबूर करता है। एक अलग जगह और एक अलग युग के प्रदूषक दूसरे स्थान और दूसरे काल के लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। ग्लोबल साउथ की आवाज़ के रूप में भारत ने जलवायु कार्रवाई में सही ढंग से नेतृत्व संभाला है। सरकार की पहल, जैसे कि 2022 ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) विधेयक, ग्रीन क्रेडिट पहल और पर्यावरण के लिए जीवनशैली, या 'लाइफ' आंदोलन, भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित ग्रह के निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रदर्शन हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में, मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है, खासकर बच्चों और युवाओं के लिए।

निर्वाणी अखाड़े में साधुओं के हैं चार विभाग... तीन साल की सेवा के बाद मिलती है मुरेटिया की पदवी

प्रयागराज। वैष्णव संप्रदाय के तीन अखाड़ों में निर्वाणी अनि अखाड़ा संस्कृति–भक्ति की रक्षा के केंद्र के रूप में सबसे शक्तिशाली माना जाता रहा है। चाहें संतों की सुरक्षा का मसला रहा हो या फिर हिंदू देवी–देवताओं के मठ–मंदिरों के संरक्षण का, निर्वाणी अनि अखाड़ा हमेशा सनातन संस्कृति की आवाज के रूप में सुर्खियों में रहा है। यह पहला अखाड़ा है, जहां साधु चार विभागों में काम करते हैं। अयोध्या में हनुमानगढ़ी पर अधिकार होने की वजह से यह सबसे ताकतवर अखाड़ा माना जाता है। इसके श्रीमहंत धर्मदास राम मंदिर मामले में पक्षकार रहे हैं। वह बताते हैं कि निर्वाणी अनि अखाड़े में साधुओं के चार विभाग हैं। इनमें हरद्वारी, वसंतिया, उज्जैनिया और सागरिया प्रमुख हैं। महंत धर्मदास बताते हैं कि इस अखाड़े में महंत की पदवी पाने के लिए नए संन्यासियों को लंबे समय तक गुरु की सेवा करनी पड़ती है। गुरु के प्रसन्न होने पर श्रीपंच की राय से महंत की गद्दी मिलती है। वैष्णव अखाड़े की परंपरा के अनुसार जब भी कोई नया साधु संन्यास ग्रहण करता है तो तीन साल की सेवा के बाद उसे 'मुरेटिया' की पदवी दी जाती है। इसके अलावा, पंचायती नया उदासीन अखाड़ा देव भाषा संस्कृत, संस्कृति, ज्ञान, भक्ति और नैतिकता की अलख जगाने वाला है। श्वेत वस्त्रधारी संतों वाले इस अखाड़े में पंच प्रेसीडेंट ही सर्वोपरि होते हैं। बिना इनके यहां कोई फैसला नहीं होता। इस अखाड़े की स्थापना हरिद्वार के कनखल में राजघाट पर 1902 में हुई थी।उदासी परंपरा के तीन प्रमुख अखाड़ों में पंचायती अखाड़ा नया उदासीन ज्ञान–भक्ति के साथ देव भाषा के प्रचार के लिए लंबे समय से जुटा हुआ है। देश भर में सात सौ से अधिक इसके डेरे हैं। इनमें 1.50 लाख से अधिक संत जुड़े हुए हैं। संस्कृत महाविद्यालयों के साथ धर्म प्रचार केंद्रों का संचालन भी यह अखाड़ा कर रहा है।अखाड़े के सचिव जगतार मुनि बताते हैं कि नैतिक मूल्यों के संरक्षण के साथ ही राष्ट्रप्रेम की भावना जगाने के लिए लगातार काम हो रहा है। अखाड़े की स्थापना बनखंडी निर्वाणदेव जी ने की थी। महाकुंभ की पेशवाई हो, शाही स्नान या फिर कोई और शुभ कार्य, सबसे आगे गुरु के प्रतीक तौर पर संगत साहिब की सवारी चलती है।इसके पीछे संतों का कारवां चलता है। जगतार मुनि बताते हैं कि उदासीन संप्रदाय के संत पंचतत्व की पूजा करते हैं। उदासीन सिख साधुओं का संप्रदाय है। श्री पंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण के मौजूदा पंच प्रेसिडेंट श्रीमहंत धूनी दास हैं।दक्षिण पंगत के मुखिया महंत भगत राम पर महाकुंभ की जिम्मेदारी है। उत्तर पंगत के मुखिया महंत सुरजीत मुनि हैं तो पूर्व पंगत के महंत आकाश मुनि और पश्चिम पंगत के मुखिया महंत मंगल दास हैं। अखाड़े के उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान आदि में डेरे और आश्रम हैं।आश्रमों की ओर से स्कूल, कॉलेजों का संचालन हो रहा है। साथ ही, संस्कृत महाविद्यालयों के जरिये वेद प्रचार भी किया जा रहा है।

कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने की उठी मांग

जमशेदपुर। टाटानगर और रांची स्टेशन से प्रयागराज तक कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में यह मांग उठने लगी। फेडरेशन चौंबर ऑफ झारखंड कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष ने इसके लिए रेल जीएम को पत्र भेजा है। चौंबर अध्यक्ष के अनुसार, कुंभ में झारखंड के विभिन्न स्टेशनों से हजारों श्रद्धालु कुंभ स्नान में जाएंगे। रेलवे को श्रद्धालुओं और साधु–संतो की सुविधा में एक महीने कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाना चाहिए। इधर, दक्षिण पूर्व जोन रेलवे सलाहाकार समिति के पूर्व सदस्य अरुण जोशी ने भी कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने पर जोर दिया है।

मेडिसिन विभाग के पास जल्द तैयार होगा रैन बसेरा

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में मेडिसिन इमरजेंसी विभाग के पास बने रैन बसेरा में साफ–सफाई शुरू हो गयी है।। इससे तीमारदारों को ठहरने में सहूलियत होगी। रैन बसेरा में भरे कबाड़ की सफाई के लिए रविवार को दीवार तोड़ी गयी थी। उसके बाद से अब तक पांच गाड़ी कबाड़ हटाया जा चुका है। रैन बसेरा में कबाड़ भरा होने के कारण दुर्गंध आती थी, जिससे मेडिसिन वार्ड के पास रहने वाले तीमारदारों को बहुत परेशानी होती थी। रैन बसेरा के किनारे दीवार भी बना दी गयी, जिससे कूड़ा–कबाड़ ढका रहे। 1200 बेड के अस्पताल में इस समय एक भी रैन बसेरा नहीं है। इससे अस्पताल में तीमारदार खुले आसमान में रात गुजारने के लिए मजबूर हैं।

सब्जी विक्रेताओं को बसाया वेंडिंग जोन में

प्रयागराज। मधवापुर सब्जी मंडी में फुटपाथ पर सब्जी बेचने वालों को अब वेंडिंग जोन में दुकानें मिल गई हैं। वर्षों से सड़क किनारे सब्जी विक्रेताओं को सोमवार को वेंडिंग जोन में शिफ्ट किया गया। वेंडिंग जोन में सब्जी विक्रेताओं को भेजने के लिए प्रवर्तन दल के जवानों को जिम्मेदारी दी गई थी। सब्जी विक्रेताओं को दुकानों में कारोबार करने की चेतावनी भी दी गई है। छावनी परिषद भी मनकामेश्वर मंदिर के पास पूजन सामग्री की दुकानों के लिए वेंडिंग जोन बना रहा है। महाकुम्भ के पहले नए वेंडिंग जोन में पूजन सामग्री की दुकानें शिफ्ट कर दी जाएंगी। वेंडिंग जोन में पार्किंग के साथ अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

अब तक नहीं बंट सकी, महामंडलेश्वर नगर के लिए जमीन

प्रयागराज। महाकुम्भ की शुरूआत होने में अब तकज 20 दिन शेष बचे हैं। अब तक जमीन आवंटन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। अब तक महामंडलेश्वर नगर के लिए जमीन दी जा रही है, जिससे सभी अखाड़ों में नाराजगी है। अखाड़ों की इच्छा थी कि उन्हें महामंडलेश्वरों के साथ ही जगह दी जाए। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। अखाड़ों को जहां सेक्टर 20 में जगह दी गई है, वहीं महामंडलेश्वरों को सेक्टर 14 में। अब समस्या यह है कि शाही स्नान के वक्त अखाड़े कैसे जाएंगे। क्योंकि छत्र के साथ महामंडलेश्वर आते हैं और इनके साथ ही सबसे ज्यादा श्रद्धालु रहते हैं।

ईडीएफसी पर डेढ़ किमी लंबी एनाकोंडा का सफल ट्रायल

प्रयागराज । रेलवे ने पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) पर पिछले दिनों चार मालगाड़ियों को जोड़कर चलाने का सफल परीक्षण किया गया है। लगभग डेढ़ किमी लंबी इस ट्रेन को 'एनाकोंडा नाम दिया गया। यह ट्रायल कोयला, सीमेंट और पेट्रोलियम उत्पादों की तेज व प्रभावी ढुलाई के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। अब तक अलग–अलग रूट पर दो–दो मालगाड़ियों को जोड़कर 'शेषनाग और 'नागवासुकि नाम से ट्रायल किया गया था लेकिन इस बार चार मालगाड़ियों को जोड़कर एक साथ चलाया गया। यह ट्रालय रन पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से धनबाद के बीच किया गया। ईडीएफसी पर इस सफलता के बाद माल ढुलाई की गति और क्षमता में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, 'एनाकोंडा की सफलता से मालगाड़ियों की ढुलाई तेज होगी और समय के साथ–साथ लागत में भी कमी आएगी। यह कदम पर्यावरण के अनुकूल और आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगा। महाकुम्भ 2025 को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने सभी मालगाड़ियों को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर स्थानांतरित कर दिया है। इससे यात्री ट्रेनों के लिए मुख्य ट्रैक्स खाली रहेंगे और महाकुम्भ के दौरान 13 हजार विशेष ट्रेनें सुचारू रूप से चलाई जा सकेंगी। रेलमंत्री ने एक दिन पहले ईडीएफसी के कंट्रोल रूम में जाकर तैयारियां देखी थीं। ईडीएफसी पर इस उपलब्धि से न केवल मालवाहन की दक्षता में सुधार होगा, बल्कि भारतीय रेलवे के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का रास्ता भी खुलेगा। एनाकोंडा जैसे प्रयोग भविष्य के लिए रेलवे की क्षमता बढ़ाने और इसे वैश्विक मानकों के करीब ले जाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

प्रेमी जोड़ों को फर्जी विवाह प्रमाणपत्र जारी करने में नौ पर केस, आर्य समाज ने दर्ज कराया मुकदमा

प्रयागराज। प्रेमी जोड़ों को आर्य समाज के नाम से फर्जी विवाह प्रमाणपत्र जारी करने के मामले में शहर में एक और केस दर्ज हुआ है। आर्य समाज, चौक ने यह केस कोतवाली थाने में दर्ज कराया है। इसमें प्रदेश के अलग–अलग जनपदों के चार प्रेमी जोड़ों व जाली दस्तावेजों से याचिका दायर करने के आरोपी को नामजद किया गया है। पीएन मिश्रा आर्य समाज चौक, के 2006 से निर्वाचित मंत्री हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी संस्था से विवाह संस्कार सम्पन्न कराने से पूर्व वर–वधू का निवास प्रमाण, शैक्षिक प्रमाण, जन्म प्रमाण, फोटोग्राफ आदि लेकर कराए जाते हैं और फिर प्रमाण स्वरूप विवाह प्रमाण पत्र दिया जाता है। प्रमाणपत्र विवरण रजिस्टर में अंकित किया जाता है व उसकी छायाप्रति व वर–वधू पक्ष से दिए गए दस्तावेज प्रमाण स्वरूप सुरक्षित रखे जाते हैं। संज्ञान में आया है कि संस्था के नाम से फर्जी विवाह प्रमाण पत्र नाबालिग लड़के लड़कियों को जारी किए जा रहे हैं। यही नहीं न्यायालयों में इन्हें ही लगाकर याचिकाएं दाखिल की जा रही हैं। इनमें से एक याचिका सुमन एवं अन्य बनाम राज्य सरकार अधिवक्ता रऊफ अली की ओर से दाखिल किया गया। इसमें 22 जुलाई 2023 का फर्जी विवाह प्रमाण जयहिन्द सिंह निवासी मोहनापुर शनिचरा जनपद संत कबीर नगर व सुमन निवासी ग्राम सनीडीह पोस्ट खजनी सोनबरसा बाबू जनपद गोरखपुर लगाया गया। इस केस में रिपोर्ट पंजीकृत है। प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए आया तब उन्हें जानकारी हुई कि यह फर्जी है। उपरोक्त केस की तरह 09.01.2023 का फर्जी विवाह प्रमाण पत्र राम प्रकाश एवं पूनम, 7.05.2022 का फर्जी विवाह प्रमाण पत्र राज व खुशबू और दिनांकित 20.06.2023 का फर्जी विवाह प्रमाण पत्र वासु एवं भानवी के नाम से जारी किया गया। इसमें उनका जाली दस्तखत भी किया गया। इस प्रकार से फर्जी विवाह प्रमाण पत्र जारी करके दुरुपयोग किया जा रहा है। कोतवाली प्रभारी रोहित कुमार तिवारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है। फर्जी विवाह प्रमाणपत्र लगाकर याचिका दाखिल करने के प्रकरण में जनपद में पूर्व में नौ मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें से सात कैंट व एक–एक हंडिया और कौंधियारा थाने में दर्ज हुआ है। नवंबर में पुलिस ने इस खेल का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को जेल भेजा था। साथ ही सभी मुकदमे क्राइम ब्रांच को सौंप दिए गए थे। इसके बाद से मामला ठंडे बस्ते में ही है। क्राइम ब्रांच अब तक जाली प्रमाणपत्र देने से लेकर सुरक्षा दिलाने का ठेका लेने वालों तक नहीं पहुंच सकी है।

महाकुंभ में लगाया गया बसों का बेड़ा, लोकल यात्रियों की बढ़ेगी मुश्किल

प्रयागराज। महाकुंभ प्रयागराज मेले के दौरान महराजगंज से प्रयागराज तक रोडवेज बसों के बेड़े को लगाया जाएगा। परिवहन निगम के एमडी ने महाकुंभ प्रयागराज मेले में रोडवेज बसों को लगाने का निर्देश दिए हैं। वहीं महाकुंभ मेले को लेकर महराजगंज जिले में गैर जनपद की बसें भी प्रयागराज के लिए विभिन्न जगहों से सीधे चलेंगी। इससे लोकल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ेंगी। जिले के महराजगंज डिपो के बेड़े में 65 बसें शामिल है। इनमें अनुबंधित बसों की संख्या 15 है। लेकिन बसों का संचालन ठीक तरीके से नहीं होने से जनपद मुख्यालय व आस–पास गांवों के यात्री काफी परेशान रहते हैं। इस बीच महाकुंभ प्रयागराज मेले में श्रद्धालुओं को आस्था की डुबकी लगवाने में परिवहन निगम भी जुटा हुआ है। इस बार महाकुंभ मेले में गैर जनपद की 90 अतिरिक्त स्पेशल बसें जिले में लगाई गई हैं। इसके लिए लखनऊ, सहारनपुर और बरेली डिपो की बसें 23 दिसम्बर से जिले में आने की उम्मीद है। महाकुंभ प्रयागराज मेला 13 जनवरी से शुरू हो रहा है। प्रयागराज में पहला शाही स्नान 13 जनवरी, दूसरा मकर संक्रांति के मौके पर 14 जनवरी और तीसरा शाही स्नान 29 जनवरी को मौनी अमावस्था पर होगा। यात्रा को लेकर बसों में श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक रहती है। एआरएम सर्वजीत वर्मा ने बताया कि महराजगंज में प्रयागराज के झूंसी के लिए लखनऊ डिपो की 50 बसें आ रही हैं। इसी प्रकार निचलौल से झूंसी के लिए सहारनपुर से 20 और नौतनवा से झूंसी के लिए 10 बसें और सोनौली से झूंसी के लिए बरेली से 10 बसें आ रही हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को प्रयागराज आने–जाने में दिक्कत नहीं होगी। महराजगंज शहर के बस अड्डे पर बसों के संचालन को लेकर रोडवेज बसों के आने–जाने का समय निर्धारित किया गया है। पर बस अड्डे पर बसों की लेटलतीफी जारी है। बस अड्डे पर रोडवेज यात्रियों के पहुंचने पर कई घंटे तक सड़क के किनारे खड़े होकर बस का इंतजार करना पड़ रहा है।

महाकुम्भ में रोमांच का अनुभव कराएंगे पैरा मोटर और हश्वट एयर बैलून

प्रयागराज। महाकुम्भ की अवधि में प्रयागराज के साथ ही देश–विदेश से आने वाले ऐसे जुनूनी लोगों के लिए साहसिक खेलों का प्लेटफार्म तैयार हो रहा है, जिन्हें रोमांच का शौक होता है। ऐसे शौकीनों के लिए पैरा मोटर और हॉट एयर बैलून में उड़ान की सुविधा प्रयागराज एडवेंचर टूरिज्म की ओर से प्रदान की जाएगी। इसके लिए कंपनी को रक्षा मंत्रालय से एनओसी प्राप्त हो चुकी है। महाकुम्भ में पैरा मोटर और हॉट एयर बैलून की सुविधा एक साथ मिलेगी। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश में पहली बार एक साथ दोनों रोमांचक खेलों की शुरुआत भी होने जा रही है। कंपनी की ओर से अरैल में डीपीएस के पीछे सरस्वती हाईटेक सिटी के पास जमीन से दोनों सुविधा उपलब्ध कराएगी। कंपनी ने फरवरी 24 में रक्षा मंत्रालय से एनओसी मिला था। यह सुविधा पांच वर्षों के लिए प्रयागराज में उपलब्ध रहेगी। मंत्रालय और पर्यटन विभाग से लाइसेंस मिल चुका है। कंपनी दो पैरा मोटर और दो हॉट एयर बैलून उपलब्ध कराएगी। पैरा मोटर 500 फीट तो बैलून 300 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरेगा। दोनों को संचालित करने के लिए कंपनी ने दो प्रशिक्षित पायलट भी रखे हैं। पैरा मोटर पर एक पायलट के साथ एक आदमी और बैलून पर एक पायलट के साथ दो लोग बैठ सकेंगे। कंपनी के दिनेश शुक्ला ने बताया कि दोनों का किराया अभी निर्धारित नहीं किया गया है। अभी सारा ध्यान सुविधा देने की तैयारियों में लगा है। मेला शुरू होने से पहले किराया तय कर लिया जाएगा।

मारपीट के बाद सात परीक्षार्थियों का बदला केंद्र

प्रयागराज। झूंसी के पटेल नगर स्थित कामता सिंह गर्ल्स डिग्री कॉलेज में छह दिसंबर को छात्रों और कॉलेज स्टाफ के बीच जमकर मारपीट हुई थी। इसके बाद सात छात्रों ने प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय प्रशासन को पत्र देकर परीक्षा केंद्र बदलने की गुहार लगाई थी। छात्रों की मांग पर परीक्षा केंद्र बदल दिया गया है। छात्रों की मांग पर विवि प्रशासन ने सातों छात्रों का केंद्र बदलकर यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में परीक्षा कराई। छात्रों ने विवि से यह भी मांग की थी कि पूरी घटना की सीसीटीवी फुटेज मांगी जाए। विश्वविद्यालय जल्द कॉलेज प्रशासन से घटना से जुड़े साक्ष्य मांगेगा। राज्य विश्वविद्यालय की ओर से पांच दिसंबर से मंडल के 31 केंद्रों पर दो पालियों में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं हो रही हैं। छह दिसंबर को झूंसी के कामता सिंह गर्ल्स डिग्री कॉलेज में मारपीट हुई थी। इसे देखते हुए सात को छात्रों ने परीक्षा केंद्र बदले जाने की गुहार विवि से लगाई थी। इसके बाद आठ को रविवार होने के कारण परीक्षा नहीं थी। सोमवार को रोहित कुमार यादव, मुनीश यादव, अवनीश यादव, रोहित कुमार यादव, रजत सिंह यादव एलएलएलबी प्रथम सेमेस्टर, शिवा केसरवानी बीएएलएलबी नवम सेमेस्टर और पदमा देवी एलएलबी तृतीय सेमेस्टर के यूनाईटेड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में केंद्र बनाकर परीक्षा कराई गई। कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि छात्रों की मांग पर उनके परीक्षा केंद्र को बदल दिया गया है। कॉलेज प्रशासन घटना वाले दिन की सीसीटीवी फुटेज मांगी जाएगी। विदित हो कि मामले में दोनों तरफ से अलग–अलग आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

चौराहों के सौंदर्यीकरण का काम 20 दिसंबर तक पूरा करें

प्रयागराज। महाकुम्भ के मद्देनजर चौराहों का सौंदर्यीकरण का काम पूरा किया जा रहा है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने अफसरों को निर्देश दिया कि इस काम को 20 दिसंबर तक पूरा करें। इस वक्त 36 चौराहों का सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। यहां पर अलग–अलग मूर्तियां लगाई जा रही हैं। साथ ही सेल्फी प्वाइंट भी बनाया जा रहा है। सभी जगह काम को समय से करने के लिए डीएम ने कहा है। अफसरों को निर्देश दिया कि प्रत्येक चौराहे का दिन तय करें और इसके अनुसार काम करें। जहां पर कोई समस्या आ रही है, उसके बारे में जानकारी दी जाए। जिससे समय से समस्या दूर की जा सके।

सहायक नगर नियोजक मुख्य परीक्षा का सत्यापन 13 को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सहायक नगर नियोजक (मुख्य) परीक्षा–2023 के सफल अभ्यर्थियों के अभिलेखों का सत्यापन 13 दिसंबर को सुबह 10 बजे से आयोग कार्यालय के यमुना भवन में होगा। आयोग ने 29 नवंबर को परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था, जिसमें 24 पदों के मुकाबले 16 अभ्यर्थियों को औपबंधिक रूप से सफल घोषित किया गया है। आयोग के उपसचिव सुनील कुमार के अनुसार सफल अभ्यर्थियों को मूल शैक्षिक अभिलेख, जाति व निवास प्रमाण–पत्र, स्वप्रमाणित छाया प्रतियां, राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित दो फोटो और एक अप्रमाणित फोटो साथ लानी होगी। प्रमाण पत्रों में नाम या पिता के नाम में भिन्नता होने पर नोटरी शपथ पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। सत्यापन के समय उपस्थित न होने पर यह माना जाएगा कि अभ्यर्थी उक्त पद के लिए इच्छुक नहीं हैं और संबंधित अभ्यर्थी का चयन परिणाम निरस्त कर दिया जाएगा

प्राणीशास्त्र विभाग में आज तक करें आवेदन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की ओर से क्रेट–2024 लेवल–टू की प्रक्रिया शुरू है। प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग विषम में अनारक्षित कटआफ 167 अंक, ओबीसी कटआफ 150, एससी कटआफ 141, ईडब्ल्यूएस कटआफ 161, एसटी 138 है। आवेदन 19 दिसंबर शाम चार बजे तक होंगे। प्राणीशास्त्र विभाग में मंगलवार तक तक जमा करनी होंगी। वनस्पति विज्ञान विभाग में आखिरी तारीख 16 दिसंबर है। संस्कृत, पालि और प्राकृत विभाग ने कटआफ निकाला है। इसमें अनारक्षित 190, ओबीसी 139, एससी 137, ईडब्ल्यूएस 170 तथा पीएच 139 अंक है। आवेदन की अंतिम तिथि 16 दिसंबर तय की गई है।

मेला सिर पर और दस दिनों से पांटून पुल का काम ठप

महाकुम्भनगर। मेला क्षेत्र में पांटून पुलों के निर्माण की तय समयसीमा के भीतर भले ही काम पूरा करने का लाख दावा किया जा रहा हो लेकिन हकीकत उसके विपरीत दिखाई दे रही है। पीडब्ल्यूडी के निर्माण खंड चार की ओर से बनाए जा रहे महावीर दक्षिणी, उत्तरी, जगदीश रैंप, त्रिवेणी दक्षिणी, मध्य व उत्तरी और काली पांटून पुल का निर्माण कार्य दस दिनों से ठप पड़ा है। ठप होने की वजह जमीन का समतलीकरण ना होना है। करीब एक महीने से सात पांटून पुलों का निर्माण कार्य चल रहा है। जमीन समतल ना होने की वजह से झूंसी साइड से इन पुलों का निर्माण शुरू कराया गया। उधर से पुल तो बनकर तैयार हो गया है लेकिन दारागंज की ओर काली मार्ग व त्रिवेणी मार्ग के पास गंगा की जमीन पर सिंचाई विभाग अपनी जेसीबी व पोकलैंड से जमीन समतल करने का कार्य कर रहा है, जो अब तक पूरा नहीं हो सका है। इसकी वजह से गंगा के दोनों छोर पर पुलों को नहीं जोड़ा जा सका। जमीन समतल ना होने की वजह से ठेकेदारों का काम ठप हो गया। वहीं निर्माण खंड तीन नागवासुकि सेक्टर के अंतर्गत पुलों का निर्माण करा रहा है। नागवासुकि मंदिर से लेकर फाफामऊ के बीच अनंत माधव, गंगेश्वर, वेणीमाधव, नागवासुकि व फाफामऊ दक्षिणी पांटून सहित आठ पुलों का काम भी गंगा की तेज कटान की वजह से पूरा नहीं हो सका है।

रोटा वायरस का इंजेक्शन लगाने वाली आरोपी नर्स निलंबित

प्रयागराज। एल्गिन रोड सिविल लाइंस स्थित सृजन अस्पताल में सोमवार को रोटा वायरस की दवा शिशु को मुंह से ड्रॉप पिलाने की जगह इंजेक्शन रूप में लगाने पर अस्पताल प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। इस प्रकरण में मंगलवार को अस्पताल प्रशासन की ओर से आरोपी नर्स के खिलाफ तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी है। साथ ही नर्स पुष्पा यादव को निलंबित कर दिया है। अस्पताल के निदेशक डॉ. बीबी अग्रवाल ने बताया कि जांच टीम में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.जेवी राय, डॉ. रजनीश राय और डॉ. दीपाली श्रीवास्तव शामिल हैं। जांच टीम आरोपी नर्स का बयान दर्ज करने के अलावा पीड़ित परिजनों से संपर्क करेगी और मौके पर मौजूद अन्य लोगों का भी बयान दर्ज करेगी। जांच टीम दस दिन में रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पीड़ित सुमित मित्रा ने बताया कि वे पीएम, सीएम और स्वास्थ्य विभाग से दोबारा शिकायत करेंगे।

घर के बाहर गर्डर लगाने पर सीएम से गुहार

प्रयागराज। मधवापुर की शबरानी भट्टाचार्या ने अपने घर के बाहर गर्डर लगाने से नाराज होकर सोमवार को मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की। शबरानी भट्टाचार्या ने बताया कि महाकुम्भ के मद्देनजर बैरहना रेलवे पुल का निर्माण चल रहा है। कार्यदायी संस्था के ठेकेदार एक सप्ताह पहले वाहनों का आवागमन रोकने के लिए बैरिकेडिंग लगाने आए थे। उस वक्त घर से ठीक सामने लोहे का गर्डर नहीं लगाने का आग्रह किया गया था। इसके बावजूद देर रात चोरी छुपे लोहे का गर्डर ठीक घर के गेट के सामने लगा दिया गया। अब घर से बाहर तक निकलना मुश्किल हो गया है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर एसपीजी ने डाला डेरा

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को महाकुम्भ की तैयारियों का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। पहली बार प्रधानमंत्री के गंगा पूजन के साथ ही महाकुम्भ शुरू हो जाएगा। पीएम के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए एसपीजी ने प्रयागराज में डाला डाल दिया है। एसपीजी की टीम सुबह एयरपोर्ट से अरैल की ओर गई है। प्रधानमंत्री पहले बमरौली एयरपोर्ट आएंगे और यहां से हेलीकॉप्टर से अरैल आएंगे। संगम पर सभा सम्बोधित करेंगे। इस पंडाल को 11 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। 12 दिसंबर को इसे एसपीजी के हवाले कर दिया जाएगा। इसके साथ ही पीएमओ की टीम भी यहां पहुंच चुकी है।

डीएफसी ने 770 ट्रेनें अदलाबदली कर बनाया रिकॉर्ड

प्रयागराज। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के आगमन के दिन ही डीएफसीसीआईएल ने 770 ट्रेनों को भारतीय रेलवे से अदलाबदली करके नया रिकॉर्ड बनाया है। रेलवे ट्रैक खाली होने से महाकुम्भ में ट्रेनों का संचालन आसान हो जाएगा। महाकुम्भ की तैयारियों का निरीक्षण करने रेलमंत्री आठ दिसंबर को प्रयागराज में आये थे। इस दौरान उन्होंने सूबेदारगंज स्थित डीएफसी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के दौरान सभी मालगाड़ियां डीएफसी पर शिफ्ट कर दी जाएंगी। सवारी गाड़ी के ट्रैक पर कोई मालगाड़ी नहीं चलेगी। उसी दिन आठ दिसंबर को ही डीएफसीसीआईएल ने सवारी गाड़ी के ट्रैक के साथ अपनी उच्चतम इंटरचेंज यानी 770 ट्रेनें प्राप्त कीं।

'महाकुंभ-2025 में रेलवे टिकट वितरण के लिए एटीवीएम फैसिलिटेटर बनने का सुनहरा मौका'

सुरक्षा राशि रु 50000- एवं रु 25000- से कम करके अब रु 5,000- निर्धारित कर दी गई है'
आवेदन फार्म का मूल्य मात्र 100- और आवेदन करने की अंतिम तिथि 16.12.2024'

प्रयागराज। मण्डल में यात्री सुविधाओं को निरंतर उन्नत किया जा रहा है । आगामी महाकुंभ–2025 की तैयारियों के दृष्टिगत प्रयागराज मण्डल यात्रियों को सुखद यात्रा उपलब्ध कराने और आसान टिकट वितरण कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है । प्रयागराज मण्डल में महाकुम्भ मेला–2025 को देखते हुए प्रयागराज (संगम एरिया सहित), सुबेदारगंज, नैनी एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर अतिरिक्त 64 एटीवीएम लगाए जा रहे हैं । इन एटीवीएम को दिनांक 11.01.2025 से 28.02.2025 तक संचालित किया जाएगा। इन सभी एटीवीएम पर 8–8 घंटे की पाली के अनुसार कुल 192 फेसिलिटेटर कार्य करेंगें । एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति के लिए रेलवे के सेवानिवृत कर्मचारियों एवं सामान्य नागरिकों से पुनः आवेदन मांगे गए हैं । जिसकी अंतिम तिथि 16.12.2024 निर्धारित की गई है य जिसमे सुरक्षा राशि के रूप में ली जाने वाली राशि एनएसजी –1–2 कैटेगरी के स्टेशनो के लिए रु 50,000ध्– एवं अन्य कैटेगरी के स्टेशनो के लिए रु 25,000ध्– निर्धारित की गई थी, अब सभी कैटेगरी के स्टेशनो के लिए सुरक्षा राशि कम करके रु 5,000– निर्धारित कर दी गई है । आवेदन फार्म किसी भी कार्य दिवस में (सोमवार से शुक्रवार तक) 09:00 बजे से 17रू00 बजे तक मिर्जापुर , प्रयागराज, प्रयागराज छिवकी, फतेहपुर, कानपुर, इटावा, टूंडला, अलीगढ स्टेशन के बुकिंग कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है । आवेदन फार्म का मूल्य रु 100– है। आवेदन फार्म को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www-ncr-indianrailways-gov-in से भी डाउनलोड किया जा सकता है । आवेदक को आवेदन के साथ किसी अनुसूचित वाणिज्य बैंक द्वारा वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ध्प्रयागराज के पक्ष में रु 100ध्– का बैंक ड्राफ्ट/डीडी मूल्य के रूप में संलग्न करना होगा । आवेदन फार्म सहायक वाणिज्य प्रबंधक, वाणिज्य शाखा, दितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, नवाब युसुफ रोड, प्रयागराज के कार्यालय में दिनांक 16.12.2024 को 13:00 बजे तक जमा किए जाएंगे और उसी दिन 15:00 बजे खोले जाएंगे ।

संक्षिप्त

संदिग्ध हालात में कमरे में मृत मिले एसएसबी के असिस्टेंट कमांडेंट, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में सोमवार को संदिग्ध हालात में एसएसबी में असिस्टेंट कमांडेंट अपने घर में जमीन पर मृत पड़े मिले। पुलिस घटनास्थल की जांच पड़ताल में जुट गई। खरगापुर के रामआसरे पुरवा निवासी संजय सिंह (58) एसएसबी में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। सोमवार रात वह अपने कमरे थे। काफी देर तक जब संजय सिंह कमरे से बाहर नहीं निकले तो बेटे प्रशांत ने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर प्रशांत जब दरवाजे में धक्का देकर कमरे में दाखिल हुए तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने देखा कि संजय जमीन पर पड़े हुए थे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और पिता को लोहिया अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रशांत ने बताया कि उनके पिता पहले बीमार चल रहे थे। पिता का इलाज चंदन अस्पताल से चल रहा था।

हिमाचल के राज्यपाल की फ्लीट की गाड़ियां आपस में टकराई, पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के शहीद पथ स्थित लुलु मॉल के पास हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला की फ्लीट दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में पुलिसकर्मियों समेत कुछ स्टाफ के सदस्य घायल हो गए। हालांकि राज्यपाल की गाड़ी सुरक्षित है। सभी घायलों का इलाज सरोजनीनगर स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। बताया जा रहा है कि राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला का काफिला सुबह 8 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से राजभवन की ओर निकला। तभी 9 बजे शहीद पथ स्थित लुलु मॉल के पास एक गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दिया। जिसके कारण राज्यपाल की फ्लीट कई गाड़ियां आपस में टकरा गई। इस हादसे में काफिले में शामिल एम्बुलेंस भी क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें बैठे डॉक्टर के पैर में चोट लगी। हादसे में घायल हुए सभी लोगों का इलाज सरोजनीनगर स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। वहीं इस घटना के चलते शहीद पथ पर लंबा जाम लग गया था। मौके पर पहुंची यातायात पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम खाली कराया।

आलू के खेत में मिला युवक का शव, मां बोली, गांव के दो लड़कों ने बेटे को मार डाला

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में आलू के खेत में खून से लथपथ युवक का शव मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान के बाद परिजनों को सूचना दी। मृतक के भाई ने हत्या की आशंका जताई है। घटना बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र के अस्तल गांव की है। मृतक की पहचान नरपत उर्फ सोनू (30) पुत्र राम अवतार, अस्तल गांव थाना बीकेटी के तौर पर हुई है। यह गांव प्रसिद्ध चंद्रिका देवी मंदिर के पास है। एसीपी बीकेटी ऋषभ रुणवाल के साथ घटनास्थल पर फारेंसिक टीम पहुंची। पुलिस का कहना है कि साक्ष्य कलेक्ट किए गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामले की हर एंगल पर जांच की जाएगी। मृतक के भाई नागेश्वर ने का कहना है कि सोनू सोमवार की रात गांव की शादी समारोह में गया था। वहां से वह घर नहीं लौटा। मंगलवार सुबह गांव के ही किसान जब आलू के खेत पर पहुंचे तो नाली में खून से लथपथ शव मिला। मृतक की मां का कहना है कि गांव के ही विक्की और उसके दो साथियों ने मेरे बेटे की हत्या की ध्है। वहीं, सूत्रों की मानें तो सोनू को किसी के प्रेम प्रसंग की जानकारी हो गई थी।

विशिष्ट व्याख्यान एवं विकसित भारत क्विज का आयोजन

प्रयागराज। राष्ट्रीय सेवा योजना ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस (10 दिसंबर) के तत्वावधान में एक विशिष्ट व्याख्यान एवं विकसित भारत क्विज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने माय भारत पोर्टल एवं विकसित भारत क्विज प्रतियोगिता के बारे में उपस्थित छात्रों को विस्तार से जानकारी दी साथ ही अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े पहलुओं की चर्चा करते हुए एनएसएस के युवाओं को इसके माध्यम से समाज,समुदाय एवं राष्ट्र के विकास में अपनी महती भूमिका हेतु आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में वरिष्ठ आचार्य प्रोफेसर शिव हर्ष सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर चर्चा करते हुए कहा कि अधिकार दो प्रकार के होते हैं नैतिक एवं वैध्ानिक अधिकार। मानवाधिकार नैतिक अधिकारों की श्रेणी में आता है। मानवाधिकार वे अधिकार हैं जो व्यक्ति को मानव होने की वजह से प्राप्त होते हैं। मानवाधिकारों की पांच श्रेणियां सार्वभौमिकता, समतामूलक, अंतर्भूत,अंतरनिर्भर होना इत्यादि होती हैं।यदि हमारे सारे अधिकार विलंबित किए जाते हैं तो भी मानवाधिकार विलंबित नहीं होता है।

इसका संबंध मानव से है, इसका क्षेत्र सार्वभौमिक है यह व्यक्ति के पैदा होने से लेकर मृत्यु तक आजीवन मानव से पृथक नहीं किया जा सकता। इसके पश्चात महाविद्यालय परिसर स्थित निर्मला देश पांडे सभागार में उपस्थित छात्र–छात्राओं द्वारा विकसित भारत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सहभागिता की गई और निर्धारित बैनर के साथ उसकी फोटोग्राफी भी की गई। कार्यक्रम मैं आभार ज्ञापन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ रेफाक अहमद ने किया तथा संचालन संचालन स्वयं सेविका मेहुल झा द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ शैलेश कुमार यादव ने सभी छात्रों को विकसित भारत क्विज के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कार्यक्रम के क्रियान्वयन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उपरोक्त कार्यक्रम में अभय, आलोक, मनीष, राहुल इत्यादि स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शहर भर में लगवाए जा रहे 5000 डस्टबिन, सफाई के लिए बढ़ाई गई मैनपावर

– शहर की सफाई में जुटे नौ हजार से अधिक सफाईकर्मी

प्रयागराज । समहाकुंभ को दिव्य, भव्य और स्वच्छ बनाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है । इस दिशा में जहां एक ओर प्रयागराज नगर निगम द्वारा शहर के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है । वहीं, शहर को स्वच्छ रखने की कवायद भी तेज कर दी गई है । इसी क्रम में नगर आयुक्त श्री चंद्रमोहन गर्ग के निर्देशन में शहर भर में 5000 डस्टबिन लगवाए जाने का कार्य शुरू कर दिया गया है । सूखे और गीले कचरे के लिए हरे और नीले रंग के दो डस्टबिन लगवाए जा रहे हैं । रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मंदिरों के बाहर, शहर के स्कूल–कॉलेजों के बाहर, भीड़ भाड़ वाले चौराहों, महाकुम्भ क्षेत्र और आस–पास डस्टबिन लगवाए जाने का काम शुरू हो गया है। अब तक करीब एक हजार डस्टबिन शहर के अलग– अलग एरिया में लगवाए जा चुके हैं । वृहद स्तर पर शहर की सफाई के लिए मैनपावर भी बढ़ा दी गई है। सफाई के काम में लगाए गए 31 सौ अतिरिक्त नगर निगम कर्मचारी

महाकुम्भ के दृष्टिगत वृहद स्तर पर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए पहले जहां 6 हजार 300 नगर निगम कर्मचारियों को लगाया गया था। वहीं, अब 31 सौ अतिरिक्त कर्मचारी सफाई व्यवस्था में जुट गए हैं। मतलब कुल 9 हजार से अधिक कर्मचारी शहर की सफाई में जुटे हुए हैं ।

1500 सफाईकर्मियों की अलग से होगी तैनाती

महाकुंभ से जुड़े इलाकों के लिए 1500 सफाई कर्मियों की अलग से तैनाती की जाएगी, ताकि मेला क्षेत्र की ओर जाने वाले मार्गों पर सफाई बनी रहे। इसके अलावा मेला क्षेत्र के आस–पास के इलाकों में सफाई व्यवस्था बेहतर करने के इंतजाम भी किए जा रहे हैं। महाकुम्भ का अनुभव अविस्मरणीय रहे, इसके लिए नगर निगम हर संभव प्रयास कर रहा है । वृहद स्तर पर शहर की सफाई करवाई जा रही है। मैन पावर भी बढ़ा दी गई है इसके साथ ही शहर भर में पांच हजार डस्टबिन लगवाने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

10 महीने बाद भी बागियों पर सपा मौन

- **कार्रवाई नही,विधानसभा सत्र करीब आते ही शुरू हो जाती चर्चा**
- **नेता विपक्ष बोले,सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से बात करूंगा**

लखनऊ, संवाददाता। यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर हुए चुनाव को 10 महीने बीत गए हैं। लेकिन सवाल बराबर उठ रहा है कि सपा बागियों पर कार्रवाई करेगी या नहीं। 16 दिसंबर से विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने वाला है और सपा के अंदर बागी विधायकों पर कार्रवाई का दबाव बन रहा है और अखिलेश यादव चुप हैं।यूपी में राज्यसभा की 10वीं सीट के लिए सपा और बीजेपी में कड़ी टक्कर हुई थी।आंकड़े सपा के पक्ष में थे लेकिन बीजेपी ने ऐसा दांव खेला कि अखिलेश के तीसरे प्रत्याशी आलोक रंजन चुनाव हार गए। सपा के 7 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी, जिसमें ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडेय, गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह, कालपी से विधायक विनोद चतुर्वेदी, चायल से विधायक पूजा पाल, जलालाबाद से विधायक राकेश पांडेय और बिसौली से विधायक आशुतोष मौर्य शामिल थे। अमेठी से विधायक महाराजी देवी गैरहाजिर हो गई थीं। नतीजा सपा के आलोक रंजन भाजपा के संजय सेठ से चुनाव हार गए। राज्यसभा चुनाव के बाद से ही सपा के प्रत्याशी के खिलाफ वोटिंग करने वाले सभी 7 बागी विधायकों ने बीजेपी के पक्ष में चुनाव प्रचार भी करना शुरू दिया। लोकसभा चुनाव के दौरान ऊंचाहार से विधायक मनोज पांडेय के घर पर खुद गृह मंत्री अमित शाह गए थे। इसके बाद मनोज पांडेय ने बीजेपी प्रत्याशी के लिए प्रचार भी किया था।जलालाबाद से विधायक राकेश पांडेय के बेटे रितेश पांडेय को बीजेपी ने अंबेडकरनगर लोकसभा सीट से टिकट ही दे दिया था।गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने अमेठी से बीजेपी प्रत्याशी स्मृति ईरानी के लिए वोट मांगे थे, जबकि चायल से विधायक पूजा पाल घर–घर बीजेपी का प्रचार कर रही थीं। लोकसभा चुनाव के दौरान सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बागियों पर कार्रवाई का ऐलान तो किया था लेकिन नतीजे आने के बाद चुप हो गए। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सपा के बागियों पर कार्रवाई को लेकर सपा ने कोई खास कदम नहीं उठाया गया। विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले भी इन बागियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर स्पीकर के सामने कोई भी याचिका दायर नहीं की गई है। विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडेय कहते हैं, इस मसले पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बात करेंगे।सपा के सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा चुनाव के तुरंत बाद अखिलेश यादव ने बागियों पर कार्रवाई का मन बना लिया था लेकिन नियमों की वजह से वह पीछे हट गए. दरअसल, नियम के मुताबिक राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों की सदस्यता नहीं जा सकती। सदस्यता खत्म करने की याचिका लगाने के लिए विधायकों पर सदन के अंदर पार्टी के व्हिप का उल्लंघन करना आधार बनता है। नितिन अग्रवाल और अदिति सिंह वाले मामले में विधानसभा स्पीकर के रूख को देखते हुए अखिलेश यादव जानते हैं कि अगर बागियों के खिलाफ याचिका डाली भी जाती है तो कार्रवाई में कई साल लग जाएंगे और अगला विधानसभा चुनाव आ जाएगा। अखिलेश यादव की रणनीति है कि बागियों का हिसाब चुनाव के मैदान में किया जाए। कहने लगे हैं कि बदला विधानसभा की जनता लेगी।

महिला सशक्तिकरण विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज ससीएमपी महाविद्यालय के अनुशासनाधिकारी कार्यालय की ओर से आज श्महिला सशक्तीकरण श्विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें करीब 20 छात्रों ने

प्रतिभागिता की य छात्रों को पांच समूह में बांटा गया, द्वितीय समूह के छात्रों को प्रथम स्थान और प्रथम समूह के छात्रों को द्वितीय स्थान मिला य तृतीय और चतुर्थ समूह के छात्रों को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान मिला य पांचवा समूह सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया य कार्यक्रम का संचालन हेमलता पंत और प्रिया सोनी खरे ने किया य इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ,अनुशासनाधिकारी प्रोफेसर अर्चना त्रिपाठी ,उपअनुशासनाधिकारी प्रोफेसर रजत श्रीवास्तव और प्रोफेसर दीना नाथ उपस्थिति थे य निर्णायक मंडल में डॉ शशि बाला (मध्यकालीन इतिहास विभाग) और डॉ विजयलक्ष्मी (समाजशास्त्र विभाग)ने रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रतियोगिता में अनुशासन मंडल के सभी सदस्य उपस्थित रहे य

मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर लखनऊ में प्रदर्शन, बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न सहित कई मुद्दे उठाए

लखनऊ,संवाददाता। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मंगलवार को सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर देश और दुनिया मे बढ़ रहे मानवाधिकार उल्लंघन के बढ़ रहे मामलों के विरोध में प्रदर्शन किया। मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित संदीप पांडे की अगुवाई में सामाजिक कार्यकताओं ने इस्राइल द्वारा

लगातार फिलीस्तीनियों पर किए जा रहे हमले बांग्लादेश में हिन्दुओं का उत्पीड़न, मणिपुर में मैतेई–कुकी हिंसा में 60,000 लोगों का विस्थापन, भारत में जगह–जगह उपासना स्थल अधिनियम की अवहेलना करते हुए हिन्दू–मुस्लिम विवाद खड़ा कर अल्पसंख्यकों को असुरक्षित बनाने को लेकर तमाम मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं का विरोध किया गया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने केंद्र सरकार से प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट का कड़ाई से पालन कराने और दुनिया की ताकतों से बेगुनाहों के कत्लेआम पर रोक लगाने की मांग की।

बिजली का निजीकरण कर रोजगार सृजन के बजाय लोगों को बेरोजगार कर रही है योगी सरकार : आप

लखनऊ, संवाददाता। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने राज्य सरकार के बिजली के निजीकरण के प्रस्ताव पर कड़ा विरोध जताया है। उनका कहना है कि इस कदम से न केवल 50 हजार संविदा कर्मियों की नौकरियां जा रही हैं, बल्कि इसके परिणामस्वरूप प्रदेश के उपभोक्ताओं को महंगी बिजली का सामना करना पड़ेगा।श्री दुबे ने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक तरफ राज्य सरकार जनता को सरकारी विभागों में कोई नई भर्ती नहीं दे रही है, दूसरी तरफ जो संविदा कर्मी पहले से ही काम कर रहे हैं, उनकी नौकरी भी छीन ली जा रही है। 50 हजार कर्मियों के बेरोजगार होने से उनके परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा। यह सरकार की नाकामी का एक उदाहरण है, जो रोजगार सृजन के बजाय लोगों को बेरोजगार कर रही है।उन्होंने कहा, ष्यह सरकार जनता की भलाई की जगह निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने की सोच रही है। पहले से ही महंगी होती बिजली दरों का और बढ़ना प्रदेश के आम आदमी के लिए एक गंभीर संकट होगा। बिजली का निजीकरण राज्य की जनता के लिए एक बड़ा आर्थिक बोझ बनेगा। निजी कंपनियां बिजली की दरों को बढ़ा सकती हैं, जिससे आम आदमी को महंगी बिजली का सामना करना पड़ेगा। पहले से ही महंगी बिजली की दरें और बढ़ने से गरीब और मध्यवर्गीय परिवारों की परेशानियां और बढ़ जाएंगी। सरकार को बिजली के निजीकरण के फैसले को वापस लेना चाहिए।

जेल में लोग सुरक्षित नहीं : सुमन

लखनऊ, संवाददाता। यह संत सरकार है। इसके नेताओं के उकसावा पूर्ण भाषणों की वजह से बहराइच में एक नौजवान की हत्या हो जाती है और संभल में सरकार द्वारा गोली चलाने से पांच नौजवानों की मृत्यु हो जाती है। प्रदेश में ऑपरेशन लंगड़ा चल रहा है जिसमें नौजवानों को पकड़कर पैरों में गोली मारी जा रही है। जेल में लोग सुरक्षित नहीं है, किसी को जहर पिलाया जा रहा है, और हत्याएं हो रही हैं। बाराबंकी में भाकपा की मीटिंग में यह आरोप लगाते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य परिषद सदस्य रणधीर सिंह सुमन ने कहा कि इस प्रदेश में न्यायमूर्ति संविधान और कानून के अनुसार न चलने की बात कहकर कहते हैं कि बहुतसंख्यक वाद के भावनाओं के आधार पर चलना चाहिए। पार्टी के जिला सचिव बृजमोहन वर्मा ने कहा कि अडानी का वारंट अमेरिकी अदालत अमेरिकी अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में किया है,वहीं सरकार भ्रष्टाचार की जांच न करा कर उनके समर्थन में खड़ी है। पार्टी के राज्य परिषद सदस्य प्रवीण कुमार ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में मानवाधिकार का घोर उल्लंघन हो रहा है। प्रेस का गला घोटा जा रहा है।

बृज चन्द्रिका विधि महाविद्यालय
अन्नांव, हण्डिया, प्रयागराज

आवश्यकता है

एल0एल0बी0 त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम हेतु-
प्राचार्य- 01 पद सहायक आचार्य- 06 पद

अर्हताएं/वेतनमान-यू.जी.सी./पी.आर.एस.यू. प्रदेश शासन के द्वारा निर्गत नवीनतम शैक्षिक अर्हता एवं मानकों के अनुसार चयन की कार्यवाही की जाएंगी। अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 15 दिवस के अन्दर मूल प्रमाण-पत्रों/छायाप्रतियों व 02 पासपोर्ट साइज फोटो की स्वच्छ प्रति संलग्न कर आवेदन करें।

प्रबंधक
मो0नं0-9455331709

सम्पादकीय.....

बेघरों का बसेरा

कोई भी ऋतु हो, जब भी मौसम का चरम नजर आता है गरीब को इससे मार खानी पड़ती है। जब ठंड आती है तो शीतलहर से गरीब मरता है। बारिश होती है तो निचले इलाके में रहने वाले गरीब बाढ़ का शिकार होते हैं। गर्मी होती है तो वे लू से मारे जाते हैं। साधनविहीन लोग ही मौसम के चरम का शिकार होते हैं। कायदे से मौसम नहीं, गरीबी मारती है। लेकिन सवाल उठता है कि जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्या सत्ताधीशों का दायित्व नहीं बनता कि वे राजनीतिक तमाशों से इतर अपनी जनता का ध्यान रखें? एक समय था कि राजा–महाराजा अपनी प्रजा का खुद ख्याल रखते थे। चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था होती थी। संवेदनशील राजा बाकायदा वेष बदलकर प्रजा के दुख–दर्द जानने निकलते थे। लेकिन ज्यों–ज्यों लोकतंत्र शिक्षित–विकसित होता गया, सत्ताधीशों की संवदेनशीलता कुंद होती चली गई। तभी शीत ऋतु की दस्तक के साथ ही अदालतों को सरकारों को अपना मूलभूत दायित्व याद दिलाना पड़ता है। बीते वीरवार को भी देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली के शहरी आश्रय बोर्ड यानी डीएएसआईबी को तलब किया कि दिल्ली में फिलहाल कितने आश्रयगृह हैं और वहां कितने लोगों को ठहराया जा सकता है। साथ ही आंकड़ा देने को कहा कि कितने लोग ऐसे हैं जिन्हें आश्रय की जरूरत है। निश्चित रूप से कड़ाके की ठंड में बीमार, लावारिस और मानसिक रूप से परेशान लोगों को संरक्षण देना प्रथम मानवीय कर्तव्य है। वैसे, अदालत की यह बात तो दिल्ली को लेकर है, लेकिन ऐसे प्रयास पूरे देश में होने चाहिए। कहने को तो राज्यों में स्थानीय निकाय भी रैन बसेरे तैयार करते हैं। लेकिन वे न तो पर्याप्त होते हैं और न ही उनमें पूरी सुविधाएं होती है। रैन बसेरे बना भी लिए जाएं तो वहां सफाई का खास ध्यान नहीं रखा जाता। नशेड़ियों और अपराधियों की सक्रियता से बेसहारा लोग यहां आने से कतराते हैं। निश्चित रूप से रेन बसेरे बनाया जाना सार्थक कदम है, लेकिन उनमें सुविधाओं, सुरक्षा और सफाई को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाना चाहिए। इन्हें गंदगी, अराजकता व असुरक्षा से बचाने के लिये स्वयं सेवी संगठनों की सक्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कायदे से ये दायित्व सरकारी एजेंसियों का होना चाहिए, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आता। दरअसल, केंद्र व राज्य सरकारों को निराश्रित लोगों के लिए मौसम के चरम आने पर एक स्थायी ढांचा उपलब्ध कराना चाहिए। जिसे तुरत–फुरत तैयार करके बेसहारा लोगों के लिये उपलब्ध कराया जाए। यूं तो देश में सामाजिक, व धार्मिक संगठन भी रेन बसेरा बनाते हैं,लेकिन यह सिर्फ खबरों की सुर्खियों में आने का जरिया मात्र नहीं होना चाहिए। यह सही मायनों में बेघरों का आश्रय होना चाहिए। साथ ही इनकी सुविधाओं की निगरानी निरंतर होनी चाहिए। दरअसल, इनके उद्घाटन समारोहों का जिस जोर–शोर से प्रचार किया जाता है, वैसा ध्यान इनके निरंतर सुचारु रूप से संचालन में नहीं होता। आज हर घर में ठंड से बचाव का अतिरिक्त सामान होता है। ऐसे ही हर व्यक्ति को मानवता के नाते जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

सीरिया में तख्तापलट

डॉ. दीपक पाचपोर

सीरिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी अल–जलाली ने रविवार सुबह पहले से तैयार किए गए एक संदेश में कहा कि सरकार लोगों की ओर से चुने गए किसी भी नेतृत्व के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है।

हाल के बरसों में तख्तापलट का सामना कर चुके देशों में अब सीरिया का नाम भी जुड़ गया है। सीरिया में बशर अल असद के शासन को उखाड़ फेंकने के लिए संकल्परत विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम (एचटीआई) ने पिछले हफ्ते से अपने अभियान को तेज करते हुए अलेप्पो, हमा, होम्स और दारा जैसे प्रमुख शहरों पर अपना कब्जा जमाया। रविवार को राजधानी दमिश्क पर कब्जे के साथ ही तय हो गया कि सीरिया में असद परिवार के 50 बरस पुराने शासन का अंत हो गया है। बताया जा रहा है कि बशर अल असद अपने परिवार के साथ विमान से किसी अज्ञात ठिकाने की तरफ चले गए हैं, उनके बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं दी जा रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर असद के विमान के लापता होने या दुर्घटनाग्रस्त होने की चर्चाएं भी तेज हैं। विद्रोही सीरिया को अब आजाद देश कह रहे हैं। मिलिट्री ऑपरेशंस कमांड ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, श्हम तानाशाह बशर अल–असद से दमिश्क शहर को आजाद घोषित करते हैं। दुनिया भर में विस्थापित हुए सभी लोगों के लिए एक आजाद सीरिया आपका इंतजार कर रहा है। सीरिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी अल–जलाली ने रविवार सुबह पहले से तैयार किए गए एक संदेश में कहा कि सरकार लोगों की ओर से चुने गए किसी भी नेतृत्व के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने सीरियाई लोगों से सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान न पहुंचाने की अपील करते हुए कहा कि यह सभी नागरिकों की है। उन्होंने कहा, श्मैं यहां अपने घर में हूं, कहीं नहीं गया और न ही इसे छोड़ने का इरादा है। इस बयान से जाहिर है कि प्रधानमंत्री विद्रोहियों की शर्तों को मानने और उन्हें सत्ता सौंपने के लिए तैयार हैं। इधर विद्रोही गुट एचटीआई के नेता अबू मोहम्मद अल–जुलानी ने भी विद्रोही बलों से राज्य के संस्थानों को नुकसान न पहुंचाने का आह्वान किया है। हालांकि दमिश्क में सड़कों पर जिस तरह टैंकों और बंदूकों के साथ विद्रोही ताकत दिखा रहे हैं, उससे अभी फौरन हालात सामान्य होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। 2011 के अरब बसंत में कई देशों में तख्तापलट हुए, तीन–चार दशकों से राज कर रहे तथाकथित तानाशाहों को लोकतंत्र की मुहिम के नाम पर उखाड़ फेंका गया। होस्नी मुबारक, कर्नल गद्दाफी जैसे शासकों की सत्ता का अंत हुआ और यही सफलता सीरिया में प्राप्त करने की कोशिश की गई। लेकिन बशर अल असद को गद्दी से उतारने में 13 बरसों का लंबा इंतजार करना पड़ा। अरब बसंत के दौरान सीरिया में विद्रोहियों को बशर अल असद ने पूरी ताकत से कुचला था। हालांकि उन्हें सत्ता संभाले दस साल ही हुए थे और उनका राजनैतिक नजरिया तानाशाहों से बिल्कुल अलग था। 11 सितम्बर, 1965 को जन्मे बशर अल असद की पारिवारिक पृष्ठभूमि राजनीतिक थी, उनके पिता हाफिज अल असद 1971 में सीरिया के राष्ट्रपति बने और 2000 तक इस पद पर रहे। लेकिन बशर अल असद ने राजनीति की जगह मेडिसिन की राह चुनी। वे लंदन में नेत्र चिकित्सा की पढ़ाई कर रहे थे। जनवरी 1994 में उनके बड़े भाई बासेल की मौत हुई, जिन्हें स्वाभाविक तौर पर अगला राष्ट्रपति माना जा रहा था। बड़े भाई की मौत के बाद बशर राजनीति में आए और अपने पिता की मौत के बाद 2000 में बशर ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली। सत्ता संभालते वक्त उन्होंने श्पारदर्शिता, लोकतंत्र, विकास, आधुनिकीकरण की बातें कीं। थोड़े वक्त के लिए ही सही लेकिन सीरिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक आजादी जैसी बातों के लिए जगह बनी, इसे श्दमिश्क स्प्रिंगश कहा गया। मगर यह बसंत भी जल्द ही गुजर गया और फिर अपने निकट देशों में बन रही विपरीत परिस्थितियों के कारण बशर अल असद ने भी दमन की राह पकड़ी। ईराक पर अमेरिकी हमला, लेबनान के जरिए सीरिया को नियंत्रित करने की अमेरिकी चाल, अरब बसंत, इराक में इस्लामिक स्टेट का उभार, गजा पर इजरायली हमला बीते डेढ़ दशक की इन तमाम घटनाओं ने बशर अल असद को उनकी राजनैतिक सोच से बिल्कुल उलट काम करने के लिए मजबूर किया। पश्चिमी ताकतों का मुकाबला करने के लिए हिज्बुल्ला का साथ सीरिया को मिलता रहा। लेकिन फिलीस्तीन को तबाह करने के साथ–साथ इजरायल ने हिज्बुल्ला के भी शीर्ष नेताओं को मार गिराया है, लिहाजा इस बार सीरिया का साथ देने की ताकत हिज्बुल्ला में भी नहीं बची। ईरान का भी यही हश्र हुआ है। वहीं रूस भी यूक्रेन युद्ध में उलझा है, लिहाजा इस बार उसकी मदद भी सीरिया को नहीं मिली। बशर अल असद ने अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मदद मांगी थी, लेकिन उन्हें निराशा मिली। ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही उन्होंने इसके पीछे रूस को भी जिम्मेदार बताया। ट्रम्प ने कहा, यह हमारी लड़ाई नहीं है। अमेरिका को इस संघर्ष में शामिल नहीं होना चाहिए। सीरिया अमेरिका का दोस्त नहीं है।अमेरिका की प्राथमिकताएं बिल्कुल साफ हैं कि जहां उसे आर्थिक या सामरिक फायदा होगा, वहां वह बिना किसी बुलावे के भी पहुंच जाएगा और लोकतंत्र का हवाला देकर दखलंदाजी करेगा। लेकिन जहां उसे कोई लाभ नहीं मिलना, वहां वह आंखें मूंद लेगा। तो फिलहाल अमेरिका ने सीरिया को उसके हाल पर छोड़ दिया है। रविवार को राजधानी दमिश्क से वैसे ही नजारे देखने मिले, जैसे हाल में अफगानिस्तान, श्रीलंका या बांग्लादेश में दिखे थे। विमानतल पर भगदड़ है, लोग सुरक्षित बाहर निकलना चाहते हैं, वहीं बहुत से लोग आजादी का जश्न मनाते सड़कों पर आ गए हैं। इधर राष्ट्रपति भवन पर कब्जा करना, वहां की चीजों को लूटना, तोड़–फोड़ करना, यह सिलसिला भी चल रहा है। असद परिवार के शासन का दुखद अंत सीरिया में हुआ है, लेकिन क्या इसके बाद सुख और शांतिमय भविष्य यहां के नागरिकों को मिलेगा, क्या जो नयी सत्ता स्थापित होगी, उसका स्वरूप लोकतांत्रिक होगा, क्या महाशक्तियों के दबाव में आए बिना किसी सरकार का गठन होगा, इन महत्वपूर्ण सवालों के जवाब का इंतजार रहेगा।

महाराष्ट्र के मारकडवाडी गांव की लड़ाई दूर तक जाएगी

शकील अख्तर

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में मालशिरास विधानसभा का मारकडवाडी गांव दुनिया भर में लोकतंत्र बचाओ और ईवीएम के विरोध का प्रतीक बन गया। रविवार को यहां शरद पवार ने पहुंच कर ग्रामीणों के ईवीएम के बदले मतपत्र से खुद वोटिंग करके सच्चाई सामने लाने के अनोखे अभियान का समर्थन किया। वे उस प्रदर्शन में शामिल हुए जो जल्दी ही देश भर में एक स्वतरूस्फूर्त आन्दोलन का रूप लेता दिख रहा है–श्ईवीएम हटाओ लोकतंत्र बचाओश ईवीएम ने जो हाल फिलहाल दो राज्यों में अविश्वसनीय नतीजे दिए हैं उसके बाद महाराष्ट्र में उसके खिलाफ अपने आप जनता का आंदोलन खड़ा होना बताता है कि लोग अब वोट किसी को जीत किसी की को मानने को तैयार नहीं हैं। होना भी चाहिए। ऐसा कैसे हो सकता है कि आप किसी को एक रुपया दो और वह उसके बदले सामान किसी दूसरे को दे दे! आप कैसे स्वीकार करोगे?महाराष्ट्र में आंदोलन शुरू हो चुका है। वहां के विपक्षी विधायकों ने भी विधानसभा सदस्य की शपथ लेने से इनकार कर दिया। शरद पवार की एनसीपी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और कांग्रेस के सदस्यों ने महाराष्ट्र के नतीजों को स्वीकार करने से मना कर दिया। बहुत बड़ा मैसेज है। देश में नहीं दुनिया में चला गया कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है। यहां की जनता का विश्वास पूरी तरह से ईवीएम से हट गया है। जनता वापस मतपत्र से मतदान की मांग करने लगी है। हरियाणा में इससे भी अविश्वसनीय नतीजे आए थे। महाराष्ट्र में तो फिर भी मुकाबला कांटे का, बराबरी का, थोड़ी लीड बताया जा रहा था। एक्जिट पोल भी इकतरफा नहीं थे। लेकिन हरियाणा में तो कांग्रेस की इकतरफा जीत बताई जा रही थी। यहां तक कि बीजेपी भी अपने जीत के दावे नहीं कर रही थी। एक्जिट पोल तो सब हंड्रेड परसेन्ट कांग्रेस की बड़ी जीत का ऐलान कर रहे थे। मगर वहां भाजपा ने सरकार बना ली। और कांग्रेस के नेता वैसे ही लड़ते रहे जैसे चुनाव के समय लड़ रहे थे। जनता में आक्रोश था मगर कांग्रेस के नेताओं में नहीं। ऐसा लग रहा था कि वे अपनी हार से खुश हैं। जैसा मारकडवाडी में हुआ कि वहां जीता हुआ शरद पवार का विधायक आंदोलन के साथ आया। बिना राजनीतिक नेतृत्व के लोगों को हौसला नहीं मिलता है। मगर हरियाणा में कांग्रेस के नेता चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बनने के लिए लड़ रहे थे। और अब विपक्ष का नेता कौन बनेगा, कौन नहीं इस पर। कांग्रेस हाईकमान हरियाणा पर कोई एक्शन नहीं ले पा रही है। मान लिया कि चुनाव ईवीएम ने हरा दिया। तो फिर वहां महाराष्ट्र की तरह जनता की आवाज को बल देने का काम क्यों नहीं किया? ईवीएम के अलावा हरियाणा में कोई और दोषी है भी या नहीं? कांग्रेस ने कहा था कि हरियाणा की हार की जांच एक फैक्ट फाइडिंग कमेटी करेगी। क्या हुआ। दो महीने हो गए हैं। 60 दिन नतीजे आए हुए। कोई कारण नहीं पता। किसी पर कोई एक्शन नहीं। और जनता दुखी होकर, निराश होकर चुप बैठ गई उसकी आवाज कि वोट तो कहीं और दिया था पहुंचा कहीं और खामोश हो गई। हरियाणा में कांग्रेस हाईकमान किससे डरता है, किसे पता? इससे पहले ठीक इन्हीं कारणों गुटबाजी से कांग्रेस राजस्थान हारी थी। मगर वहां भी कांग्रेस कोई कार्रवाई नहीं कर सकी। इस तरह राज्यों के नेताओं से डर–डर कर पार्टी चलाने से कांग्रेस किस तरह मजबूत होगी पता नहीं। अभी सीडब्ल्यूसी में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बोल दिया कि हमारे ही लोग खुद पार्टी को हरवाते हैं। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं। खरगे अगर अपनी बात नहीं सुने जाने पर अध्यक्ष पद से इस्तीफा भी दे दें तो भी किसी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। आखिर राहुल गांधी ने 2019 में दिया ही था। मगर कांग्रेसियों की गुटबाजी, काम न करने, दूसरे को करने न देने पर कोई असर नहीं हुआ था। भगवान की बात सबसे ज्यादा भाजपा वाले करते हैं। मगर पता नहीं उनकी पार्टी वह चलाता है या नहीं लेकिन यह पक्का है कि कांग्रेस को ऊपर वाला ही चलाता है। केवल पिछले दो सालों में ही हुए 17 राज्यों के हुए विधानसभा चुनावों में से 13 कांग्रेस बुरी तरह हारी है। लेकिन कहीं कोई जिम्मेदारी तय नहीं। खैर! कांग्रेस की कहानी तो अनंत है। हरि अनंत हरि कथा अनंता! बात मरकडवाडी की हो रही थी। जो उम्मीदों का केन्द्र है। वहां क्या हुआ इसे पहले थोड़ा समझ लेना जरूरी है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को जब वोट डाले गए तो उसके पश्चिम में बसे सोलापुर जिले के मालशिरास विधानसभा क्षेत्र के मरकडवाडी गांव में भी लोगों ने मतदान किया। मगर 23 नवंबर को जब गिनती हो रही थी तो गांव को लोग चौंक गए। उन्होंने करीब–करीब शत प्रतिशत वोट एनसीपी शरद पवार पार्टी के उत्तमराव जानकर को दिए थे। वे चुनाव जीते भी मगर उनके गांव के वोट बता रहे थे कि वह महायुति के पक्ष में गए हैं। गांव वाले इस पर विश्वास करने को तैयार नहीं थे। ऐसा अंधेर! उन्होंने मतपत्र से दोबारा वोटिंग करके सच्चाई पता लगाने का निश्चय किया। क्या बुराई थी इसमें? क्या छात्र संसद, युवा संसद नहीं चलाई जाती? मॉक पोल (नकली वोटिंग) तो मतदान से पहले चुनाव आयोग भी करता है। मतदान वाले दिन सुबह 5 बजे मॉक पोल होता है। प्रत्येक उम्मीदवार के लिए कुछ वोट डाले जाते हैं। फिर इनकी गिनती होती है। गांव वालों ने मॉक पोल के लिए 3 दिसंबर का दिन तय किया। मगर यह क्या सरकार ने गांव में कर्फ्यू लगा दिया, लोगों पर एफआईआर कर दी, गिरफ्तार कर लिया। किस जुर्म में? सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करने के लिए! सरकार ने चुनाव आयोग ने सोचा था मामला दब जाएगा। मगर उस विधानसभा से जीते हुए एनसीपी शरद पवार के उम्मीदवार ने इस्तीफा देने की पेशकश कर दी। शरद पवार वहां पहुंच गए। अब यह अभियान श्ईवीएम हटाओ लोकतंत्र बचाओ ! रुकने वाला नहीं लगता। कहीं जीते हुए विधायक को इस्तीफा देने की पेशकश करते हुए सुना है? हरियाणा में जो भी गुटबाज नेता हैं क्या उनमें से किसी ने कहा कि चुनाव धांधलियों के खिलाफ हम इस्तीफा देते हैं। या हमारे परिवार से अगर कोई जीता है तो वह इस्तीफा देता है! कांग्रेस को महाराष्ट्र से चले इस आंदोलन में हरियाणा को भी साथ लाना होगा। एक बार फिर लिख दें कि हरियाणा की हार महाराष्ट्र के मुकाबले ज्यादा अविश्वसनीय थी। वहां ज्यादा प्रतिकार होना चाहिए था। मगर वहां कांग्रेस के नेता कुछ नहीं कर रहे। अभी भी जोड़–तोड़, एक दूसरे को गिराने में लगे हुए हैं। कांग्रेस को दोनों मोर्चों पर काम करना था। मगर हरियाणा में एक पर भी नहीं है। पहला कांग्रेस सुधार और दूसरा ईवीएम के खिलाफ मोर्चा। लेकिन महाराष्ट्र ने एक उम्मीद जगाई है। अब विपक्ष इसे किस तरह परिणाम तक पहुंचाता है यह महत्वपूर्ण है। मुश्किल लड़ाई है। मगर ऐसी लड़ाई जिसमें जीत दिख रही है। दूर! बहुत संघर्ष भरे रास्ते से। मगर दिख जीत ही रही है। इसमें हार की कोई गुंजाइश नहीं है। ईवीएम के मुद्दे पर जनता साथ आएगी। और विपक्ष की आधी जीत तो यही होगी। जनता किसी बात पर तो आगे बढ़े! और बाकी आधी जीत इस बात पर निर्भर करेगी कि विपक्ष कितना एकजुट रहकर इस लड़ाई को लड़ता है। प्लान करके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

आरबीआई ने विकास की तुलना में मुद्रास्फीति नियंत्रण को अधिक महत्व दिया

अंजन रॉय

मुद्रास्फीति–विकास दुविधा नीति कथा में कोई नयी बात नहीं है। इस बार इसने एक नयी तत्परता दिखाई, क्योंकि दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों ने अर्थव्यवस्था की गति में तेज गिरावट को स्पष्ट रूप से दर्शाया।रिजर्व बैंक ने इस बहस में स्पष्ट रूप से सावधानी और रूढ़िवाद का पक्ष लिया है। शुक्रवार, 6 दिसंबर को घोषित अपनी मौद्रिक नीति में, आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने दरों में कटौती की मांगों को स्वीकार करने के बजाय अपरिवर्तित नीति के साथ मौजूदा नीति रुख को बनाये रखने का पक्ष लिया है। चालू वित्त वर्ष के अधिकांश भाग के लिए कीमतें आरबीआई के 4प्रतिशत (प्लसध्माइनस 2 प्रश) के सहनीय बैंड से ऊपर लगातार बढ़ रही हैं। बैंड का मतलब एक आरामदायक क्षेत्र है। हालांकि, अगर मूल्य वृद्धि दर लगातार ऊपरी सीमा से ऊपर बनी रहती है, भले ही बहुत अधिक न हो, तो इसके बारे में आत्मसंतुष्ट होना मुश्किल हो जाता है। अधिक महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की प्रकृति है। खाद्य कीमतों में लगातार मजबूत वृद्धि से समग्र मुद्रास्फीति अत्यधिक प्रभावित हो रही है। चूंकि इन वस्तुओं का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में लगभग 50प्रश भार है, इसलिए समग्र सूचकांक जोरदार तरीके से बढ़ रहा है। खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़ दें, जिसे आम तौर पर कोर मुद्रास्फीति कहा जाता है, तो यह वृद्धि उतनी मजबूत नहीं है।हालांकि, रिजर्व बैंक को उम्मीद नहीं है कि फरवरी के अंत और अगले साल मार्च की शुरुआत से पहले खाद्य कीमतों में कमी आयेगी। इसलिए, जब तक कि सर्दियों की खरीफ फसलें बाजार में नहीं आ जातीं, रिजर्व बैंक स्पष्ट रूप से शांत रहना चाहता है। कीमतों में मौजूदा वृद्धि की प्रकृति को समझने के लिए आइए मूल्य मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर थोड़ा गौर करें। रिजर्व बैंक अपनी नीति निर्माण के लिए मुद्रास्फीति के माप के रूप में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक दृसीपीआई– को लेता है। उस संदर्भ में सीपीआई में उतार–चढ़ाव महत्वपूर्ण हैं। यह याद रखना भी उचित है कि खाद्य मुद्रास्फीति ही आम लोगों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है और समाज के सबसे कमजोर वर्ग को विशेष रूप से नुकसान होता है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने अपने नीति वक्तव्य में इस बिंदु को स्पष्ट करने में कड़ी मेहनत की। बयान के अनुसार, सीपीआई हेडलाइन मुद्रास्फीति जुलाई–अगस्त के दौरान औसत 3.6 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 5.5 प्रतिशत और अक्टूबर 2024 में 6.2 प्रतिशत हो गयी। संयोग से, यह सितंबर 2023 के बाद से एक साल से अधिक समय में सबसे अधिक उछाल था। सभी श्रेणियों में, खाद्य पदार्थों की कीमतें सबसे तेजी से बढ़ीं जो नीति निर्माता की बेचैनी का प्रमुख कारण था। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, सीपीआई खाद्य मुद्रास्फीति जुलाई–अगस्त के दौरान औसतन 5.2 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 8.4 प्रतिशत और अक्टूबर 2024 में 9.7 प्रतिशत हो गयी।परिणामस्वरूप, खाद्य समूह (सीपीआई बास्केट में 45.9 प्रतिशत के भार के साथ) का हेडलाइन मुद्रास्फीति में योगदान जुलाई–अगस्त के दौरान लगभग 68 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर में लगभग 74 प्रतिशत हो गया। अनाज, मांस और मछली तथा फलों में बढ़ती मुद्रास्फीति के परिदृश्य में सब्जियों, तेल और वसा में कीमतों में तेज उछाल ने खाद्य मुद्रास्फीति में उछाल को बढ़ावा दिया। दूसरे शब्दों में, खाद्य कीमतों में सभी क्षेत्रों में तेजी से वृद्धि हुई और वह भी सभी प्रमुख समूहों में। आप इस बात से कुछ हद तक आश्वस्त हो सकते हैं कि कुछ प्रकार के अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ीं, जैसे कि तेल और वसा की कीमतें, जो उम्मीद है कि बेहतर स्वास्थ्य परिणामों का कारण बन सकती हैं!तेल और वसा में कीमतों में तेजी सितंबर में 3 प्रतिशत और अक्टूबर में 6 प्रतिशत तक बढ़ गयी। लेकिन इनके साथ ही, सब्जियों की कीमतों में तेजी, जिनका उपभोग सभी लोग और विशेष रूप से गरीब लोग करते हैं, सितंबर में 3.5 प्रतिशत और अक्टूबर में 8.2 प्रतिशत तक बढ़ गयी। खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति को छोड़कर, जो मुख्य मुद्रास्फीति के रुझान को मापता है, सीपीआई कोर मुद्रास्फीति ने मई–जून के दौरान चालू श्रृंखला में 3.1 प्रतिशत की सबसे कम मुद्रास्फीति दर्ज की, जो सितंबर में 3.5 प्रतिशत और अक्टूबर 2024 में 3.8 प्रतिशत तक बढ़ गयी। इन आवश्यक वस्तुओं के अलावा, मूल्य वृद्धि मध्यम थी और कुछ श्रेणियों में एलपीजी या ईंधन तेलों की कीमतों में कमी आई। कुछ उच्च मूल्य वाली वस्तुओं, जैसे व्यक्तिगत देखभाल में भी मध्यम रुझान दिखाई दिये। इसलिए इन विवरणों को ध्यान में रखते हुए, एक मोटा उपाय यह निकलता है कि जब तक मौजूदा फसल और सर्दियों की सब्जियां बाजार में आना शुरू नहीं हो जातीं, तब तक कीमतों में वृद्धि जारी रहेगी। यह अगले साल मार्च के अंत से पहले नहीं होना चाहिए। इसलिए आरबीआई की ओर से यह चेतावनी भरी कहानी है। लेकिन, जैसा कि कहावत है, श्पिक्चर अभी बाकी हैश। दूसरी तिमाही की वृद्धि निराशाजनक रही है। यह मात्र 5.4प्रश थी। इसके लिए मुख्य रूप से कुछ कारण जिम्मेदार हैं, जिनमें से औद्योगिक क्षेत्र, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट सबसे तीव्र रही है। पहली तिमाही में 7.4प्रश की वृद्धि से विनिर्माण क्षेत्र दूसरी तिमाही में 2.1प्रश पर आ गया। अचानक आई इस भारी गिरावट का अभी तक पूरी तरह से अंदाजा नहीं लगाया जा सका है। इसके साथ ही, इस साल की भारी बारिश के कारण, अन्य प्रमुख क्षेत्र, खनन को भी काफी नुकसान हुआ है। इसके परिणामस्वरूप सीमेंट की मांग में भी कमी आई है और सीमेंट उत्पादन में भी गिरावट आई है। अब तक उपलब्ध उच्च आवृत्ति संकेतकों के अवलोकन के बाद, रिजर्व बैंक आशावादी है कि घरेलू आर्थिक गतिविधि में मंदी 2024–25 की तीसरी तिमाही में समाप्त हो जायेगी, जो मजबूत त्योहारी मांग और ग्रामीण गतिविधियों में तेजी के कारण सुधार की ओर अग्रसर है। खरीफ फसल उत्पादन और बेहतर रबी बुवाई से कृषि विकास को समर्थन मिल रहा है। औद्योगिक गतिविधि के सामान्य होने और पिछली तिमाही के निचले स्तर से उबरने की उम्मीद है। आरबीआई को उम्मीद है कि मानसून सीजन के खत्म होने और सरकारी पूंजीगत व्यय में अपेक्षित तेजी से सीमेंट और लोहा एवं इस्पात क्षेत्रों को कुछ प्रोत्साहन मिल सकता है। मानसून से जुड़ी बाधाओं के बाद खनन और बिजली के भी सामान्य होने की उम्मीद है। नवंबर में विनिर्माण के लिए क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) 56.5 पर रहा। सेवा क्षेत्र में मजबूत गति से वृद्धि जारी है। नवंबर में पीएमआई सेवाएं 58.4 पर स्थिर रहीं, जो निरंतर विस्तार का संकेत है। इसलिए, कुल मिलाकर रिजर्व बैंक यह कह रहा है कि फिलहाल हम बेकाबू कीमतों का ध्यान रखें। इस बीच विकास अपने आप ठीक हो जायेगा। एक बार जब ऊंची कीमतों का स्तर पार हो जायेगा, तो हम शायद कम ब्याज दर वाली व्यवस्था के साथ विकास की गति को फिर से शुरू कर देंगे।

रणबीर कपूर ने रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने के बारे में खुलकर बात की, कहा- `यह अब तक की सबसे बेहतरीन कहानी'

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर नितेश तिवारी निर्देशित 'रामायण भाग–1' में नज़र आने वाले हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभाने जा रहे हैं, वहीं साउथ की अभिनेत्री साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में नज़र आने वाली हैं। हाल ही में अभिनेता ने जेद्दा में प्रतिष्ठित श्रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024श में भाग लिया, जहाँ उन्होंने पहली बार श्रामायणश के बारे में बात की और इसे अपना ड्रीम रोल बताया। रणबीर ने पुष्टि की कि वह रामायण पर काम कर रहे हैं। अभिनेता ने कहा ष्मैं जिस फिल्म पर काम कर रहा हूँ, वह श्रामायणश है, जो अब तक की सबसे बेहतरीन कहानी है। मेरे बचपन के दोस्त नमित मल्होत्रा, जो इस फिल्म को इतने जुनून के साथ बना रहे हैं, उन्होंने दुनिया के सभी कलाकारों, रचनात्मक लोगों और क्रू से बेहतरीन काम लिया है। यह अब तक की सबसे बेहतरीन कहानी है।

'रामायण पार्ट–2' की शूटिंग जल्द शुरू होगी

इसके अलावा, एक्टर ने भगवान राम की भूमिका निभाने के बारे में बात की और कहा कि उन्होंने रामायण के पहले भाग की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरा भाग जल्द ही फ्लोर पर जाएगा। रणबीर ने कहा कि राम की भूमिका निभाना उनका सपना था। वह इस भूमिका के लिए आभारी हैं। रणबीर कपूर ने कहा, ''बस उस कहानी का हिस्सा बनने के लिए, मैं राम की भूमिका निभाने के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे लिए एक सपना है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें सब कुछ है। यह सिखाती है कि भारतीय संस्कृति क्या है।''

रामायण रिलीज की तारीख

नितेश तिवारी की 'रामायण पार्ट–1' साल 2026 में रिलीज होने वाली है, जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होगा।

> रणबीर ने कहा कि राम की भूमिका निभाना उनका सपना था। वह इस भूमिका के लिए आभारी हैं। रणबीर कपूर ने कहा, ''बस उस कहानी का हिस्सा बनने के लिए, मैं राम की भूमिका निभाने के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे लिए एक सपना है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें सब कुछ है। यह सिखाती है कि भारतीय संस्कृति क्या है।''

'रामायण' के सेट से कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, जहां रणबीर और सई भगवान राम और सीता के रूप में नजर आए। केजीएफ अभिनेता यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे जबकि टीवी अभिनेता रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में अपनी फिल्मी शुरुआत करेंगे।

ऐश्वर्या राय संग दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रहें हैं अभिषेक बच्चन! बोले-उम्र का लिहाज..

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय अपने रिश्ते को लेकर लंबे वक्त से लाइमलाइट में हैं। कभी तलाक की अफवाहें उड़ती हैं,तो कभी एक्टर का किसी से नाम जुड़ता है। बीते दिनों अभिषेक–ऐश्वर्या को साथ देखकर तलाक की अफवाहों पर विराम लग गया है। इसी बीच अभिषेक बच्चन का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनसे दूसरे बच्चे को लेकर सवाल किए गए थे। वीडियो साल 2022 का। रितेश देशमुख का एक शो आता था– केस तो बनता है। इसके 11वें एपिसोड में अभिषेक बच्चन पहुंचे हुए थे। इस दौरान हंसी मजाक में रितेश ने अभिषेक बच्चन से पूछा कि अभिषेक, आराध्या और हालांकि उन्होंने यह बोलकर चुप करा दिया कि उम्र का लिहाज करो। रितेश देशमुख शो के दौरान कहते हैं–अमिताभ जी, ऐश्वर्या, आराध्या और आप अभिषेक यह सारे नाम ए लेटर से शुरू होते हैं तो जया आंटी और श्वेता ने ऐसा क्या कि उनके अलग लेटर से नाम रखे गए। इस पर अभिषेक बच्चन ने कहा घर में एक प्रथा सी बन गई है अभिषेक, आराध्या। तभी रितेश ने सवाल किया कि आराध्या के बाद? इस पर वो कहते हैं कि अगली पीढ़ी जो आएगी, तब देखेंगे। रितेश यह सुनकर उनसे मस्ती करने लगे वो कहते दिखे– इतना कौन रुकता है।वो बार–बार आराध्या के बाद दूसरे बच्चे की प्लानिंग के लिए अभिषेक को फोर्स कर रहे थे। इस पर अभिषेक बच्चन पहले तो शर्म से लाल हो गए और हंसने लगे हालांकि बाद में कहा श्उम्र का लिहाज किया करो रितेश मैं तुमसे बड़ा हूं। इसके बाद रितेश ने उनके पैर भी छुए। अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय की बेटी आराध्या 13 साल की हैं। अक्सर मम्मी ऐश के साथ ही स्पॉट की जाती हैं हालांकि स्कूल को लेकर ट्रोल भी होती रही हैं।

पुष्पा 2 के निर्माताओं को राजपूत नेता ने दी धमकी, लगाया क्षत्रियों का अपमान करने का आरोप

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा 2 रिलीज के बाद से बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल कर रही है। फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता भी नहीं हुआ है और इसने 500 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। लेकिन इस फिल्म की सफलता के बीच अब मेकर्स के लिए एक विवाद खड़ा हो गया है। राजपूत नेता राज शेखावत ने फिल्म के निर्माताओं पर 'क्षत्रिय' समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया है और साथ ही, उन्होंने फिल्म से एक डायलॉग को हटाने की मांग की है। राज शेखावत ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने फिल्म के निर्माताओं को धमकी दी और कहा कि फिल्म में 'क्षत्रिय' समुदाय के बारे में अपमानजनक बातें की गई हैं।

शेखावत ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'पुष्पा 2 में शेखावत का किरदार निगेटिव है। फिर से क्षत्रियों का अपमान, करणी सेना तैयार रहे। फिल्म के निर्माताओं को जल्द ही पीटा जाएगा।' राज शेखावत ने आरोप लगाया कि फिल्म में बार–बार 'शेखावत' शब्द का इस्तेमाल किया गया है, जो उनके समुदाय के लिए अपमानजनक है। उन्होंने फिल्म के मेकर्स से मांग की कि इस शब्द को फिल्म से हटा दिया जाए। शेखावत का कहना था कि फिल्म ने एक बार फिर क्षत्रिय समुदाय को गलत तरीके से पेश किया है और यह फिल्म अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रही है। राज शेखावत के इस आरोप के बाद भी फिल्म के मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। मेकर्स ने इस विवाद पर चुप्पी साध रखी है। फिल्म पुष्पा 2 में अभिनेता फहद फाजिल ने एसपी भंवर सिंह शेखावत का किरदार निभाया है, जो एक नकारात्मक भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म में उनका किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया है। वहीं, रश्मिका मंदाना ने श्रीवल्ली का रोल फिर से अदा किया है, जिसे दर्शकों ने सराहा है। कुल मिलाकर, राज शेखावत का आरोप है कि फिल्म पुष्पा 2 में श्शेखावतश शब्द का इस्तेमाल क्षत्रिय समुदाय का अपमान करने के लिए किया गया है, जो कि उन्हें और उनके समुदाय को गलत तरीके से दिखा रहा है। उन्होंने फिल्म के निर्माताओं से इसे हटाने की मांग की है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बेटी दुआ संग बेंगलुरु से मुंबई आई दीपिका पादुकोण, एयरपोर्ट पर लाडली को सीने से लगाए दिखीं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण बीते कई समय अपनी बेटी दुआ संग बैंगलुरु में थी। दीपिका ने अपने मायके में बेटी संग खूब क्वालिटी टाइम स्पेंड किया। इतना ही नहीं दीपिका हाल ही में बेंगलुरु में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में नजर आईं थीं। वहीं अब कुछ दिन अपने पेरेंट्स के घर रहने के बाद दीपिका बेटी संग मुंबई वापस आ गई हैं। दीपिका और दुआ को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। दुआ को गोद में लिए हुए दीपिका की फोटोज खूब वायरल हो रही हैं। दीपिका के एयरपोर्ट लुक की बात करें तो उन्होंने रेड कलर की ड्रेस पहनी हुई थी। उन्होंने दुआ को गोद में ऐसे लिया हुआ था कि उनका चेहरा नहीं दिख रहा था।बेटी को गोद में लेकर आईं दीपिका सीधे आकर अपनी कार में बैठ गईं। उन्होंने पैपराजी को पोज नहीं दिए। दिलजीत के कॉन्सर्ट में एंजॉय करते हुए दीपिका की वीडियो सामने आईं थीं। उसके बाद दिलजीत ने उन्हें स्टेज पर भी बुलाया था। इतना ही नहीं उन्होंने दीपिका के मेकअप ब्रांड का प्रमोशन भी किया था।

दिल्ली की अदालत ने धोखाधड़ी के एक मामले में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और दो अन्य को समन भेजा, जानिए पूरा केस क्या है?

हाल ही में अपना 89वां जन्मदिन मनाने वाले दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र मुश्किल में फंस गए हैं, क्योंकि दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें और दो अन्य को गरम धरम ढाबा से जुड़े धोखाधड़ी के एक मामले में समन भेजा है। समाचार एजेंसी एएनआई की एक पोस्ट के अनुसार, यह समन दिल्ली के एक व्यवसायी द्वारा दायर की गई शिकायत पर जारी किया गया है, जिसने गरम धरम ढाबा की फ्रैंचाइज़ी में निवेश करने का लालच देकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट यशदीप चहल द्वारा जारी किया गया समन दिल्ली के व्यवसायी सुशील कुमार द्वारा दायर की गई शिकायत पर आधारित है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने हाल ही में 'गरम धरम ढाबा' फ्रैंचाइज़ी से जुड़े धोखाधड़ी के एक मामले में दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र और दो अन्य के खिलाफ समन जारी किया है, जिसकी सुनवाई अगले साल फरवरी में होगी। एएनआई के अनुसार, 5 दिसंबर को पारित समन आदेश में, न्यायाधीश ने कहा, ''रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य संकेत देते हैं कि आरोपी व्यक्तियों ने शिकायतकर्ता को अपने सामान्य इरादे को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया और धोखाधड़ी के अपराध के तत्वों का विधिवत खुलासा किया गया है।'' इस महीने की शुरुआत में, दिग्गज अभिनेता ने अपने बेटों बॉबी देओल और सनी देओल के साथ मुंबई में अपने निवास के बाहर अपने प्रशंसकों के साथ अपना विशेष दिन मनाया। प्रशंसकों ने अपने पसंदीदा सितारे का जन्मदिन उनकी प्रतिष्ठित फिल्मों के पोस्टर और उनकी इमारत के चारों ओर तस्वीरें लगाकर मनाया, उन्हें बॉलीवुड का भगवान कहा है। बॉलीवुड के श्ही–मैनश के रूप में लोकप्रिय धर्मेंद्र ने अपने छह दशकों के करियर में कुछ सबसे उल्लेखनीय फिल्में दी हैं। शोले, द बर्निंग ट्रेन, अपने, धरम वीर, सीता और गीता, चुपके चुपके, नया ज़माना, अनुपमा और बंदिनी धर्मेंद्र की अब तक की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से कुछ हैं।

मेंस अपनी वार्डरोब में शामिल करें Black Bomber Jacket, सबकी निगाहें आप पर रहेगी, धमाकेदार सेल में लूट लें ये जैकेट

सर्दी का कहर जारी है, दिनोदिन सर्दी बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में |उंवद थैपवद"सम पुरुषों के अपने स्टाइल और लुक को मेंटेन करने के लिए बढ़िया जैकेट का लेटेस्ट कलेक्शन को लेकर आया है। इन सभी ठसंबा ठवउइमत श्रंबामज हैं, जो आपकी व्यक्तित्व में काफी उभर के आएगी। आइए आपको बताते हैं ऑफर्स और डिस्काउंट के बारे में विस्तार से बताते हैं।

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए अगर आप भी स्टाइलिश और गर्माहट देने वाले विंटर जैकेट खरीदना चाहते हैं, तो आपको बता दें कि |उंवद ˘तकतवइम त्मतिमी"सम 2024 चल रही है। इस सेल में जबरदस्त ऑफर मिल रहे है, जहां आप जैकेट प्रीमियम क्वालिटी के मटेरियल से बनी हैं, यह लाइटवेट होने के साथ–साथ पहनने पर आपको वॉर्म फील कराएंगी। अगल–अलग डिजाइन और पैटर्न में आ रहीं यह जैकेट आप बाइक राइडिंग के दौरान पार्टी में या फिर डेली में भी पहन सकते हैं। इन जैकेट की कीमत की बात करें, तो यह शुरुआती कीमत 949 रुपये मिल जाएगी।

RARE TIMES Winter Jacket for Men

यह ब्लैक बॉम्बर जैकेट एकदम फिट और फुल स्लीव्स के साथ मिल रही है। ब्लैक बॉम्बर जैकेट हुडेड नेक के साथ आती है और सर्दी में यह गर्मी का अहसास देती है। यह जैकेट ब्लैक कलक ऑप्शन के अलावा और भी कई सारे ऑप्शंस में उपलब्ध है। वहीं, साइज के लिए इसमें अलग–अलग विकल्प दिए गए हैं।

यहां से खरीदें

Scott International Winter Jacket for Men

मेंस के लिए यह जैकेट रेगुलर फिट और हाई क्वालिटी नायलॉन मटेरियल से बनी है। ब्लैक कलर की इस जैकेट में मल्टीपल साइज ऑप्शंस मिल जाएंगे। यह ब्लैक विंटर जैकेट कंफर्ट स्टाइल और ड्यूरेबिलिटी का परफेक्ट पैकेज है। यह जैकेट पुरुष कैजुअल वेयर या फिर पार्टी में भी पहन सकते हैं।

यहां से खरीदें

Amazon Brand & Symbol Full Sleeves Bomber Jacket

अमेजन पर यह जैकेट पॉलिएस्टर फैब्रिक से बनी रेगुलर फिट बॉम्बर जैकेट मिल रही है। इसमें आपको बेहतर कलर ऑप्शन मिल जाएंगे। यह ठवउइमत श्रंबामज बैड नेक के साथ आती है और इसे आप कड़ाके वाली ठंड में भी पहन सकते हैं। इस पर 69: के डिस्काउंट ऑफर मिल रहा है।

यहां से खरीदें

Ben Martin jacket for men

यदि आपको बाइक राइडिंग का शौक है और आप पहाड़ों या फिर कहीं भी ट्रैवल करते रहते हैं, तो इस बॉम्बर जैकेट को कैरी कर सकते हैं। मेंस के लिए यह जैकेट बेहद ही स्टाइलिश और इलास्टिक कफ के साथ आती है। इसके साइड में दो पॉकेट दी हुई हैं, जिसमें आप फोन, पैसे आदि चीजें भी रख सकते हैं।

सर्दियों में दवाई से बेहतर हैं दादी मां का ये नुस्खा, बच्चे को छू भी नहीं पाएगा सर्दी- जुकाम

मौसम बदलने के साथ ही हर माता– पिता को अपने बच्चों की चिंता सताने लगती है। इन दिनों सबसे आम दिक्कत है सर्दी–जुकाम, ऐसे में इसके इलाज के लिए दवाओं से बेहतर हैं बुजुर्गों के बताया ये बरसों पुराना नुस्खा। सर्दियों में बच्चों को सर्दी–खांसी से बचाने के लिए सरसों के तेल का उपयोग बहुत फायदेमंद होता है। इसमें कुछ विशेष जड़ी–बूटियां और सामग्री डालकर इसे और प्रभावी बनाया जा सकता है। यह तेल बच्चों के छाती, पीठ, और तलवों पर लगाने से राहत देता है।

सरसों के तेल में डालने वाली चीजें

लहसुनः लहसुन में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं, जो संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं।

तुलसी के पत्तेः तुलसी में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो सर्दी और खांसी में राहत देते हैं।

अजवाइनः अजवाइन सांस की नली को साफ करने में मदद करता है और ठंड के कारण होने वाले जकड़न को कम करता है।

तेल बनाने का तरीका

1. एक पैन में 100–150 मि.ली. सरसों का तेल लें।
2. इसमें 5–6 लहसुन की कलियां छीलकर डालें।
3. 10–12 तुलसी के पत्ते और 1 चम्मच अजवाइन डालें।
4. तेल को धीमी आंच पर तब तक गर्म करें, जब तक लहसुन हल्का भूरा न हो जाए।
5. तेल को ठंडा होने दें और छानकर एक कांच की बोतल में भर लें।

कहां और कैसे लगाएं

हल्के हाथों से तेल को बच्चों की छाती और पीठ पर मसाज करें। यह सांस की तकलीफ को कम करता है।

रात में सोने से पहले बच्चों के तलवों पर तेल लगाएं और मोजे पहनाएं। यह शरीर को गर्म रखता है।

थोड़ा तेल नाक के चारों ओर लगाएं ताकि ठंड से राहत मिले।

सावधानियां

– तेल गर्म करते समय ध्यान रखें कि यह ज्यादा न जल जाए।

– किसी भी सामग्री से एलर्जी की संभावना हो तो इसका उपयोग न करें।

– बहुत छोटे बच्चों पर प्रयोग करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

इस घरेलू तेल का उपयोग नियमित रूप से करने से सर्दियों में बच्चों को सर्दी–खांसी से बचाया जा सकता है।

जिम करते समय इन गलतियों से बचें, वरना झड़ सकते हैं बाल!

आजकल फिट और हेल्दी रहने के लिए जिम जाना बहुत आम हो गया है। लड़के–लड़कियां फिटनेस पाने के लिए घंटों वर्कआउट करते हैं, लेकिन इस दौरान कुछ ऐसी गलतियां हो जाती हैं, जिनका सीधा असर बालों पर पड़ सकता है। अगर आप भी जिम जाते हैं, तो इन गलतियों से बचें, ताकि बाल झड़ने की समस्या न हो। आइए जानते हैं जिम में की जाने वाली उन आदतों के बारे में, जो बालों की सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं।

बालों को कसकर बांधना

जिम में वर्कआउट करते समय कई लोग बालों को कसकर हेयर बैंड या रबर बैंड से बांध लेते हैं। ऐसा करने से बालों की जड़ें कमजोर होने लगती हैं और धीरे–धीरे बाल झड़ने लगते हैं। बालों को कसकर बांधने की बजाय हल्का ढीला बांधें ताकि खिंचाव न हो।

बालों में पसीना आना और उसकी अनदेखी करना

वर्कआउट के दौरान बालों से पसीना निकलना सामान्य है। लेकिन अगर पसीने को साफ न किया जाए, तो इसमें मौजूद नमक और बैक्टीरिया बालों की जड़ों को कमजोर कर सकते हैं। साथ ही, गीले बालों को बांधने से भी बाल झड़ने की संभावना बढ़ जाती है। वर्कआउट के बाद बालों को अच्छे से धोना और सुखाना जरूरी है।

टोपी पहनकर वर्कआउट करना

कुछ लोग पसीने से बचने या स्टाइलिश दिखने के लिए जिम में टोपी (कैप) पहनते हैं। हालांकि, लंबे समय तक टोपी पहनने से बालों को पर्याप्त हवा नहीं मिलती, जिससे बालों की ग्रोथ रुक सकती है और बाल झड़ने लगते हैं। टोपी पहनने की आदत को कम करें।

वर्कआउट के बाद बालों की सफाई न करना

जिम में पसीना, धूल और प्रदूषण बालों पर जम जाते हैं। अगर वर्कआउट के बाद बालों की सफाई नहीं की जाती, तो यह बालों के टूटने का कारण बन सकता है। एक्सरसाइज के बाद हल्के शैम्पू से बाल धोएं और सही तरीके से साफ–सफाई का ध्यान रखें।

ज्यादा वर्कआउट करना

जिम में जरूरत से ज्यादा वर्कआउट करने से शरीर में तनाव और थकावट बढ़ सकती है। ज्यादा तनाव बालों की सेहत पर बुरा असर डालता है। इससे हार्मोनल असंतुलन हो सकता है, जो बाल झड़ने का कारण बनता है। संतुलित और आरामदायक वर्कआउट रूटीन अपनाएं।

क्या करें बालों की सुरक्षा के लिए?

1. वर्कआउट के बाद बालों को हल्के शैम्पू से धोएं।
2. पसीने को साफ करने के लिए गीले कपड़े या टॉवल का इस्तेमाल करें।
3. जिम में जाते समय हेयर प्रोटेक्शन स्प्रे का इस्तेमाल करें।
4. हेयर केयर रूटीन में तेल मालिश और पोषण देने वाले प्रोडक्ट्स शामिल करें।

जिम में फिटनेस के साथ–साथ बालों की देखभाल भी बेहद जरूरी है। छोटी–छोटी सावधानियां बरतने से आप हेयरफॉल की समस्या से बच सकते हैं। स्वस्थ और मजबूत बालों के लिए सही वर्कआउट और हेयर केयर का ध्यान रखें।

ब्राइडल हेयर स्टाइल के लिए परफेक्ट हैं ये ट्रेंडी एक्सेसरीज, मिलेगा परफेक्ट लुक

हर दुल्हन के लिए शादी का दिन बेहद खास होता है। इस दिन की तैयारी दुल्हन काफी समय पहले से शुरुकर देती है। वह अपने लिए अलग–अलग डिजाइन के कपड़े लेती हैं और मेकअप का सामान लेती हैं। लड़की अपनी शादी पर खास दिखने के लिए ज्वेलरी से लेकर एक्सेसरीज हर चीज का ध्यान रखती हैं। लेकिन जब बात हेयर स्टाइल की आती है, तो लड़कियां कंफ्यूज हो जाती हैं कि किस तरह की एक्सेसरीज अपने बालों में लगाएं, जिससे आपके बाल अच्छे लगेंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हेयर एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको लगाने से आपका ब्राइडल लुक अच्छा लगेगा।

मोर पंख वाली हेयर एक्सेसरीज

आजकल बालों में बेहद खूबसूरत डिजाइन वाली हेयर एक्सेसरीज लगाई जाती है। इससे आपका लुक भी बहुत सुंदर आता है। लेकिन जब बात हेयर एक्सेसरीज को खरीदने की आती है, तो कई बार कंफ्यूज हो जाते हैं। इसके लिए आप मोर पंख वाली डिजाइन वाली हेयर एक्सेसरीज को ले सकते हैं। खुले बाल और बेन हेयर स्टाइल दोनों के लिए यह आती है। जिसको आप अपने बालों में लगाकर अपने लुक को क्रिएटिव बना सकती हैं।

झुमकी डिजाइन वाली हेयर एक्सेसरीज

अगर आप अपने बालों को क्रिएटिव तरीके से अट्रैक्टिव लुक देना चाहते हैं, तो इसके लिए आप झुमकी डिजाइन वाली हेयर एक्सेसरीज भी लगा सकती हैं। इस तरह की हेयर एक्सेसरीज लगाने के बाद आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा। इस तरह से आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं। आपको पहले बालों में बन लगाना है और फिर इस एक्सेसरीज में आपका बन और भी अधिक सुंदर लगेगा। आप चाहें तो इसके लिए कस्टमाइज्ड कर सकती हैं।

स्टड वाली हेयर एक्सेसरीज

अक्सर हम ऐसे स्टोन स्टड अपने इयररिंग्स के लिए खरीदते हैं। लेकिन आप इसको अपने ब्राइडल लुक के साथ बालों में अप्लाई कर सकती हैं। इसके लिए आपको अलगअलग कलर वाले स्टड को खरीदना है। फिर इसको अपने बालों में बालों में अटैच कर लें। इसके बाद आपको बालों में ज्यादा चीजें लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इससे आपका लुक अच्छा और स्टाइलिश भी दिखेगा। आप चाहें तो इसको मल्टी कलर या फिर एक ही कलर में खरीद सकते हैं।

संक्षिप्त

खरीदारी का सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने में ई-कश्वमर्स कंपनियों की अहम भूमिका : प्रल्हाद जोशी

नयी दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि सभी उपभोक्ताओं के लिए खरीदारी का पारदर्शी, भरोसेमंद तथा सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने में ई–कॉमर्स कंपनियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जोशी ने 'अमेजन संभव शिखर सम्मेलन' में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना, उपभोक्ता हेल्पलाइन तथा ई–कॉमर्स क्षेत्र में अनुचित व्यापार प्रथाओं से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए विशिष्ट नियमों जैसे उपायों के जरिये उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार के सभी प्रयासों को रेखांकित किया। मंत्री ने भारतीय बाजार के विशाल आकार और क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि भारत में ई–कॉमर्स का भविष्य उज्ज्वल, समावेशी तथा परिवर्तनकारी है। जोशी ने कहा, '' यह डिजिटल क्रांति अविश्वसनीय अवसर प्रदान करती है। हालांकि हमारी सरकार का मानना घ्छै कि हमारे उपभोक्ताओं को आश्वस्त महसूस कराना और सूचित विकल्प का चयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ई–कॉमर्स मंचों के लिए उपभोक्ता का विश्वास तथा भरोसा हासिल करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने आगाह किया कि ई–कॉमर्स का तेजी से विकास अपने साथ कई जोखिम भी लेकर आता है, खासकर उपभोक्ता संरक्षण तथा उपयोगकर्ताओं के अधिकारों के संबंध में..। उन्होंने कहा, '' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने विश्वसनीय तथा सुरक्षित ई–कॉमर्स महौल बनाने के लिए कई पहल की हैं।'' ई–कॉमर्स क्षेत्र में अनुचित व्यापार प्रथाओं से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए नियम बनाए गए हैं। उन्होंने कहा, '' ऑनलाइन मंच को अब सटीक उत्पाद विवरण, स्पष्ट मूल्य निर्धारण और मूल देश का खुलासा करना आवश्यक है। साथ ही उत्पाद वापसी और पैसे वापस होने संबंधी नीति के साथ उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करना आवश्यक है।'' मंत्री ने साथ ही कहा कि कई बार मंच एक विशेष ब्रांड को बढ़ावा देने की कोशिश करते हैं और जब उपभोक्ता शिकायत करते हैं तो वे दावा करते हैं कि वे केवल एक मंच के रूप में काम कर रहे हैं।

अनधिकृत मंच पर गैर-सूचीबद्ध प्रतिभूतियों में लेनदेन करने से बचें निवेशक : सेबी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों को अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक मंच और वेबसाइट पर गैर–सूचीबद्ध कंपनियों की प्रतिभूतियों में लेनदेन करने के खिलाफ चेतावनी दी। बाजार नियामक ने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 और सेबी अधिनियम, 1992 का उल्लंघन करती हैं, दोनों का उद्देश्य प्रतिभूति बाजार में निवेशकों के हितों की रक्षा करना है। अपने बयान में, सेबी ने कहा कि कुछ इलेक्ट्रॉनिक मंच बिना उचित मंजूरी के गैर–सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के व्यापार की सुविधा दे रहे हैं। निवेशकों को आगाह करते हुए, नियामक ने उनसे कहा कि ''ऐसे इलेक्ट्रॉनिक मंच पर कोई भी लेनदेन न करें या उसपर कोई भी संवेदनशील व्यक्तिगत विवरण साझा न करें क्योंकि ये न तो अधिकृत हैं और न ही सेबी द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।'' सेबी द्वारा मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों की सूची नियामक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, नियामक ने निवेशकों को अनधिकृत मंच पर संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी साझा करने और उनके माध्यम से लेनदेन करने के खिलाफ चेतावनी दी।

मुद्रास्फीति-वृद्धि संतुलन बहाल करना आरबीआई के समक्ष सबसे महत्वपूर्ण कार्य: गवर्नर दास

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निवर्तमान गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि मुद्रास्फीति–वृद्धि संतुलन को बहाल करना केंद्रीय बैंक के समक्ष सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। केंद्रीय बैंक प्रमुख के रूप में अपने छह साल के कार्यकाल के अंतिम दिन संवाददाता सम्मेलन में दास ने कहा कि उनके उत्तराधिकारी को बदलती विश्व व्यवस्था को समझना होगा, साइबर खतरों से प्रभावी ढंग से निपटना होगा और नई प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्घवित्तीय समावेश को बढ़ावा देने के अलावा केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा

(सीबीडीसी) और यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) जैसी आरबीआई की पहलों को आगे बढ़ाएंगे। केंद्रीय बैंक के समक्ष मुद्दों को सूचीबद्ध करते हुए दास ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक मुद्रास्फीति तथा वृद्धि के बीच संतुलन बहाल करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली व मजबूत बनी है और इसमें वैश्विक प्रभावों से उचित तरीके से निपटने की क्षमता है। सरकार ने राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा घ्को केंद्रीय बैंक का प्रमुख नियुक्त किया है, जो बुधवार को केंद्रीय बैंक के प्रमुख का पदभार संभालेंगे। छह साल बाद सेवानिवृत्त हो रहे दास ने कहा कि वित्त मंत्रालय तथा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बीच समन्वय पिछले छह वर्षों में सबसे बेहतर रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि वित्त मंत्रालय तथा आरबीआई का नजरिया कभी–कभी अलग–अलग हो सकता है, लेकिन उनके कार्यकाल के दौरान ऐसे सभी मुद्दों को आंतरिक चर्चा के जरिये सुलझा लिया गया।

मोहम्मद सिराज और ट्रेविस हेड को भारी पड़ा मैदान पर नोकझोंक करना, आईसीसी ने लगाया जुर्माना

दुबई, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड को एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के दौरान मैदान पर नोकझोंक करना भारी पड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इन दोनों पर जुर्माना लगाया है। सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, हेड पर आर्थिक जुर्माना नहीं लगा है, लेकिन आईसीसी ने उन्हें भी सजा दी है। सिराज और हेड के खाते में आईसीसी की आचार संहिता के उल्लंघन के कारण एक डिमेरिट अंक भी जोड़े गए हैं। मालूम हो कि हेड को आउट करने के बाद सिराज ने आक्रामक तरीके से जश्न मनाया था जिस पर हेड ने उनसे कुछ कहा था। इसके बाद दोनों के बीच कुछ सेकेंड के लिए नोकझोंक हुई थी। आईसीसी ने बयान में कहा, 'सिराज को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद उन पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। ऐसी भाषा, कार्य या हाव–भाव का उपयोग करने से संबंधित है जो किसी बल्लेबाज को अपमानित करती है या जो आउट होने पर बल्लेबाज को आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकती है।' आईसीसी ने कहा कि हेड को भी खिलाड़ियों और खिलाड़ी के सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के नियम 2.13 का उल्लंघन करने के लिए 'दंडित' किया गया था। हालांकि, वह किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायक कर्मियों, अंपायर या मैच रेफरी के साथ दुर्व्यवहार से संबंधित नियम का उल्लंघन करने के लिए जुर्माने से बच गए।

क्या है पूरा मामला?

सिराज ने ऑस्ट्रेलिया को 310 रन के स्कोर पर सातवां झटका दिया था। सिराज के यॉर्कर को हेड समझ नहीं सके और बोल्ड हो गए। उन्होंने 141 गेंद में 17 चौके और चार छक्के की मदद से 140 रन की बेहतरीन पारी खेली। हेड को आउट करने के बाद सिराज ने आक्रामकता दिखाई जिस पर हेड ने भी पवेलियन लौटते समय सिराज

से कुछ कहा। इस दौरान सिराज और हेड के बीच तू–तू मैं–मैं भी देखने मिली और माहौल कुछ सेकेंड के लिए गरमा गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे पर लगाए थे आरोप

मामला बढ़ने के बाद दोनों खिलाड़ियों ने इस पर अपनी राय रखी थी और एक दूसरे पर ही आरोप लगाए थे। इस मामले पर हेड ने कहा था, मैंने उनसे कहा था कि अच्छी गेंद थी। लेकिन उन्होंने कुछ और ही सोचा और मुझे बाहर जाने की ओर इशारा किया। पिछली कुछ पारियों में जिस तरह से चीजें हुईं, मैं उससे थोड़ा निराश हूं। लेकिन अगर वे इस तरह से प्रतिक्रिया करना चाहते हैं तो यही होगा। और वे खुद को इस तरह से पेश करना चाहते हैं तो ऐसा ही रहें। वहीं, सिराज ने दावा किया था कि हेड झूठ बोल रहे थे। उन्होंने कहा था, श्मुझे हेड को गेंदबाजी करने में मजा आ रहा था। यह एक अच्छी लड़ाई थी क्योंकि उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। जब कोई बल्लेबाज आपको अच्छी गेंद पर छक्का मारता है, तो बुरा लगता है। इससे मुझे एक ऊर्जा मिली। उन्हें आउट करने के बाद मैंने जश्न मनाया। फिर उन्होंने मुझे गालियां दीं। आप टीवी पर भी देख सकते हैं। शुरुआत में मैं सिर्फ जश्न मना रहा था। मैंने उनसे कुछ नहीं कहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने झूठ बात कही। उन्होंने गलत बयान दिया। हम सभी का सम्मान करते हैं। मैं हमेशा सभी का सम्मान करता हूं क्योंकि क्रिकेट जेंटलमैंस गेम है। ट्रेविस हेड की हरकतें गलत थीं। मुझे अच्छा नहीं लग रहा था।

ऑस्ट्रेलिया से क्लीन स्वीप से बचने की कोशिश करेगा भारत

पहले दो मैच में करारी हार से आहत भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप से बचने और अगले साल होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप से पहले अपनी कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी। सात बार के विश्व चौंपियन आस्ट्रेलिया ने अभी तक तीन मैच की श्रृंखला में पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा है जबकि भारत ने तीनों विभाग बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में खराब प्रदर्शन किया है। दूसरे वनडे में रिकॉर्ड 122 रन की हार से भारत की कमजोरी का पता चलता है। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन टीम किसी भी समय 372 रन के लक्ष्य तक पहुंचने की स्थिति में नहीं दिखी। भारत को सबसे अधिक निराश उसकी दो स्टार बल्लेबाजों कप्तान हरमनप्रीत कौर और उप कप्तान स्मृति मंधाना ने किया है। मंधाना ने अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ा था लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो मैच में वह केवल 17 रन ही बना पाई है। इस सलामी बल्लेबाज की निगाह फॉर्म में लौटने पर टिकी होगी। हरमनप्रीत अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रही है। उन्होंने दो मैच में 57 रन बनाए हैं। भारतीय टीम इस साल के शुरू में टी20 विश्व कप मेंजल्दी बाहर हो गया था और तब से हरमनप्रीत की बल्लेबाजी और कप्तानी पर नजर रखी जा रही है। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर की गई शेफाली वर्मा की अनुपस्थिति में भारतीय टीम ने कुछ अलग संयोजन आजमाए लेकिन उसकी तरफ से अभी तक रिचा घोष ही अच्छा प्रदर्शन कर पाई है। रिचा ने दूसरे वनडे में 54 रन बनाए जो वर्तमान श्रृंखला में किसी भारतीय बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर है।

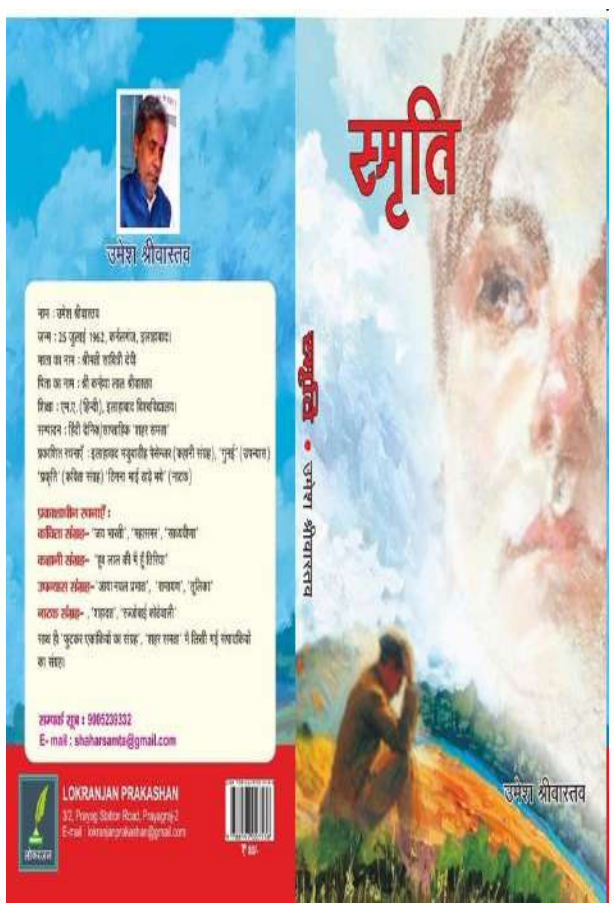

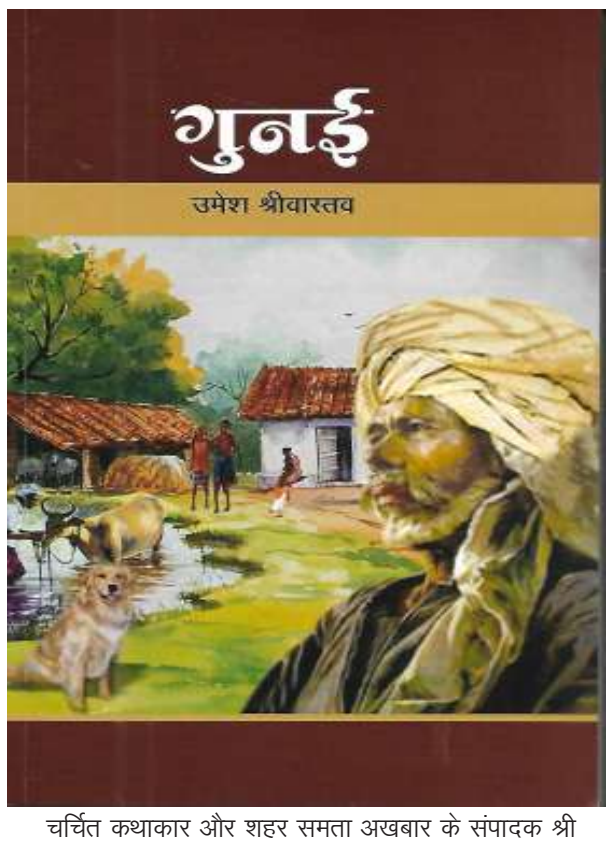

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

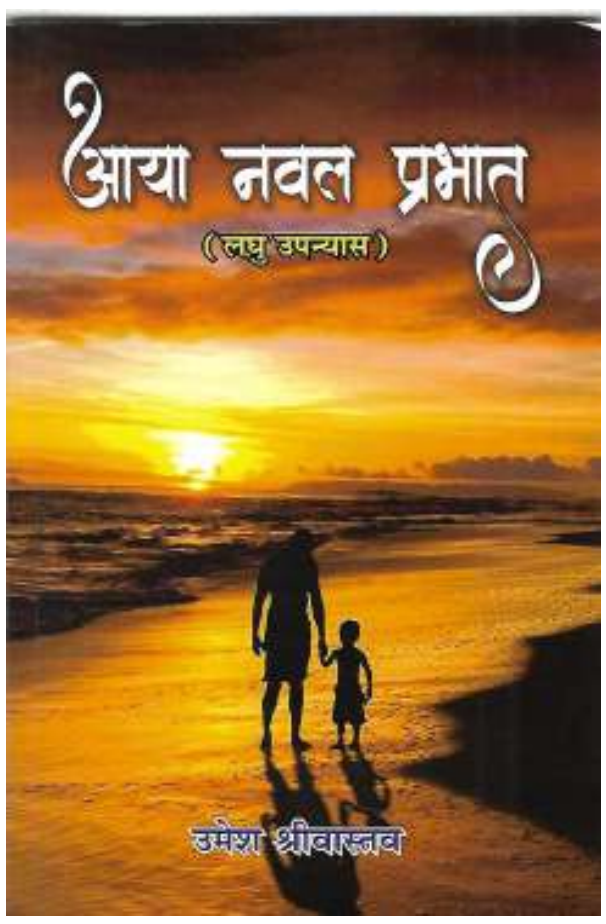

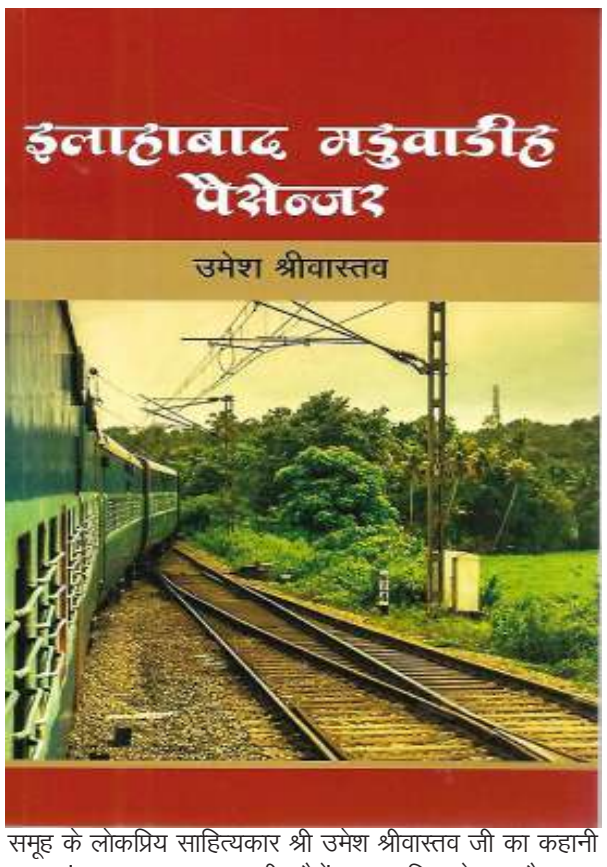

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

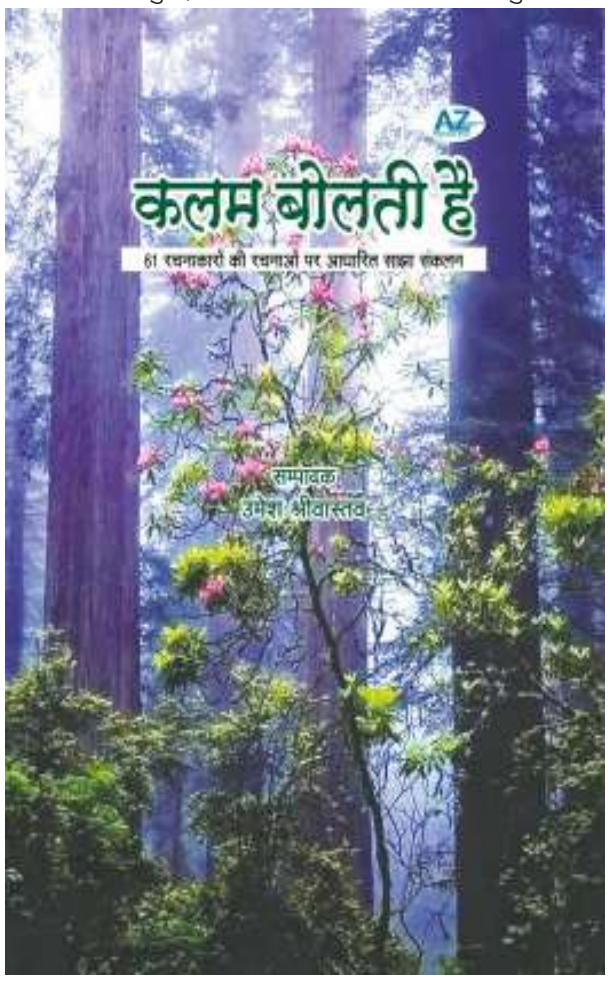

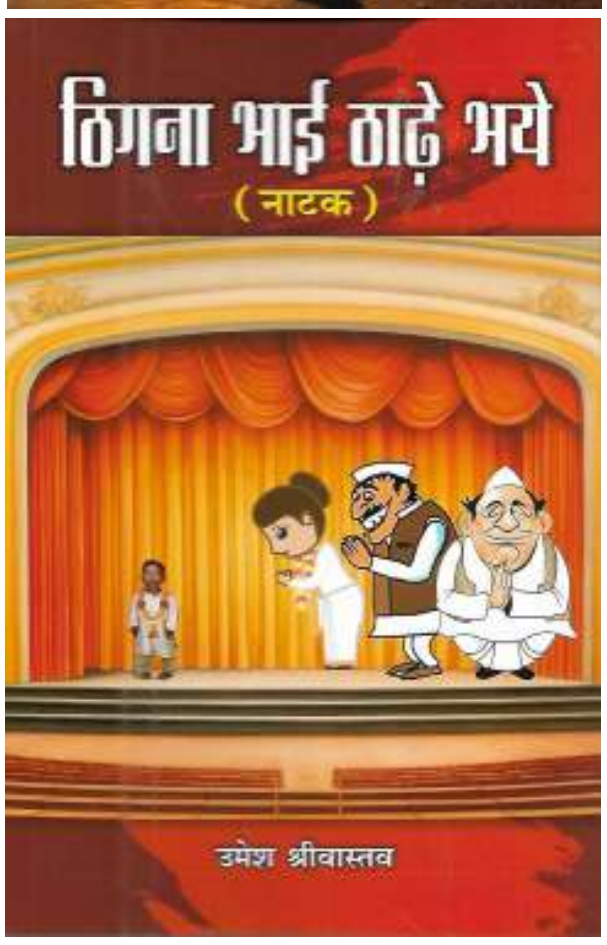

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर अमेरिका में रोष, व्हाइट हाउस से यूएस कैपिटल तक निकाला गया मार्च

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों को लेकर बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों ने व्हाइट हाउस से यूएस कैपिटल तक मार्च निकाला। शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हमें न्याय चाहिए और हिंदुओं की रक्षा हो जैसे नारे लगाते हुए बाइडन प्रशासन और आगामी ट्रंप प्रशासन से बांग्लादेश की सरकार से हिंदुओं की रक्षा के लिए कदम उठाने को कहने का अनुरोध किया। साथ ही यह भी मांग की कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

इन संगठनों ने निकाला मार्च

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के विरोध में सोमवार को मार्च निकाला गया। कार्यक्रम के आयोजकों स्टॉपहिंदूजेनोसाइड.ओआरजी (StopHinduGenocide-org), बांग्लादेशी प्रवासी संगठनों और हिंदूएक्शन ने मांग की कि अमेरिकी कंपनियां बांग्लादेश से कपड़े खरीदना बंद कर दें। बता दें, ढाका अमेरिका को कपड़े निर्यात करने पर बहुत अधिक निर्भर है।

इन जगहों पर हिंदुओं को बनाया जा रहा निशाना

हिंदूएक्शन के उत्सव चक्रवर्ती ने कहा, 'यह मार्च न्याय की मांग मात्र नहीं है, यह जवाबदेही की मांग है। आज, बांग्लादेशी हिंदू समुदाय और भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिंदू प्रवासी बांग्लादेशी हिंदू समुदाय के समर्थन में आ गए हैं क्योंकि बांग्लादेश में हिंसा जारी है। खासतौर से चटगांव और रंगपुर क्षेत्र में।'

मंदिरों को जलाया जा रहा

उन्होंने आगे कहा कि हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उनके मंदिरों को जलाया और नष्ट किया जा रहा है। उनके घरों को लूटा जा रहा है। चिन्मय दास, जो चटगांव क्षेत्र के हिंदू नेताओं में से एक हैं, को जेल में डाल दिया गया है और उन्हें यातनाएं दी जा रही हैं। दुनिया भर में समुदाय इस बारे में बेहद चिंतित है। इसलिए, लोग यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि व्हाइट हाउस और अमेरिका में लोग बांग्लादेश में क्या हो रहा है, इसके बारे में जानते हों।

बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ अकल्पनीय त्रासदियां

वर्जीनिया के नरसिम्हा कोप्पुला ने कहा, 'हम बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए न्याय की मांग करने के लिए यहां व्हाइट हाउस के सामने एकत्र हुए हैं।श वहीं, हिंदूएक्शन के श्रीकांत अकुनुरी ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ अकल्पनीय त्रासदियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हम इस्कॉन नेता चिन्मय दास को भी रिहा करने की मांग कर रहे हैं। अटलांटिक सिटी के एक बांग्लादेशी सामुदायिक संगठन के प्रमुख प्रसेनजीत दत्ता ने इस्कॉन नेता चिन्मय दास की रिहाई की मांग की। उन्होंने कहा कि हमें समझ नहीं आ रहा है कि बाइडन प्रशासन कुछ कर क्यों नहीं रहा है। हम व्हाइट हाउस से कुछ कदम उठाने की मांग करते हैं। ग्लोबल हिंदू टेंपल नेटवर्क के अध्यक्ष मोहिंदर गुलाटी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार इस अल्पसंख्यक समुदाय पर हमला है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को दूसरे देशों में शांति सेना भेजने से रोका जाना चाहिए। हमने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार संगठन, यूएन महिला और यूनिसेफ को भी लिखा है कि बांग्लादेश के जो भी अंतरराष्ट्रीय दायित्व हैं, उन्हें उन दायित्वों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।'

संक्षिप्त

तुर्किए सेना के दो हेलीकश्प्टर हवा में टकराए, 5 की मौत

तुर्की के दक्षिण पश्चिम इस्पार्टा प्रांत में एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान एक सैन्य हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से सोमवार को पांच सैनिकों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने स्थानीय प्रसारक एनटीवी के हवाले से बताया कि प्रांत के गवर्नर अब्दुल्ला एरिन ने कहा कि ब्रिगेडियर जनरल ईसा बेदिली,

इस्पार्टा आर्मी एविएशन स्कूल के कमांडर भी हताहतों में शामिल थे। एम्बुलेंस और अग्निशामकों सहित आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत केसीबोरलू जिले में एक गैस स्टेशन के पास घटनास्थल पर भेजा गया। 1 जून, 2017 को तुर्की के सिरनाक प्रांत में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में कम से कम 13 सैन्यकर्मी मारे गए। तुर्की सशस्त्र बल के बयान के अनुसार, 13 कर्मियों को लेकर एक एएस 532 कौगर–प्रकार के हेलीकॉप्टर ने सेनोबा, सिरनाक में एक सैन्य कमान से उड़ान भरी। इसके तुरंत बाद, हेलीकॉप्टर हाई–वोल्टेज लाइन से टकरा गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों हेलीकॉप्टर किस वजह से आपस में टकराएं। इरिन ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। निजी समाचार एजेंसी 'डीएचए' ने बताया कि यूएच–1 यूटिलिटी हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एक खेत में गिरा और दो हिस्सों में टूट गया। दूसरा हेलीकॉप्टर करीब 400 मीटर दूर सुरक्षित उतरा।

कनाडा में निशाने पर भारतीय छात्र, हमलावर ने सीढ़ियों पर पीछे से गोली मारी

कनाडा के एडमोंटन के एक अपार्टमेंट में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने वाले 20 वर्षीय भारतीय मूल के हर्षनदीप सिंह की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। एडमॉन्टन पुलिस ने शनिवार को कहा कि दो संदिग्धों इवान रेन और जूडिथ सॉल्टो, दोनों की उम्र 30 वर्ष है, को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर फर्स्ट–डिग्री हत्या का आरोप लगाया गया। सीबीसी न्यूज कनाडा के अनुसार, इमारत के अंदर गोली चलने की सूचना मिलने के बाद, एडमोंटन पुलिस शुक्रवार को लगभग 12:30 बजे सेंट्रल मैकडॉगल पड़ोस में 106वीं स्ट्रीट और 107वें एवेन्यू के कोने पर स्थित एक अपार्टमेंट इमारत में पहुंची। सिंह का शव पुलिस को सीढ़ी के पास मिला और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एडमोंटन पुलिस ने कहा कि 6 दिसंबर को लगभग 12.30 बजे, गश्ती अधिकारियों ने 106 स्ट्रीट और 107 एवेन्यू के क्षेत्र में एक अपार्टमेंट इमारत के अंदर बंदूक की गोली की सूचना पर प्रतिक्रिया दी। आगमन पर, अधिकारियों ने एक गैर–जिम्मेदार 20 वर्षीय पुरुष सुरक्षा गार्ड को देखा हर्षनदीप सिंह को सीढ़ी पर ले जाया गया और तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया, ईएमएस (आपातकालीन चिकित्सा सेवा) ने प्रतिक्रिया दी, इलाज किया और उसे अस्पताल पहुंचाया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। ईपीएस होमिसाइड स्टाफ सार्जेंट ने कहा कि ईपीएस आम तौर पर किसी मृत व्यक्ति का नाम जारी नहीं करता है जब तक कि मौत की पुष्टि हत्या के रूप में नहीं की जाती है। हालांकि, इस मामले में हम जांच के उद्देश्य से और सिंह की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के संबंध में सार्वजनिक सुरक्षा चिंताओं को कम करने के प्रयास में उनका नाम जारी कर रहे हैं। घटना के एक कथित सीसीटीवी वीडियो में कथित तौर पर तीन व्यक्तियों के गिरोह के एक सदस्य को सिंह को सीढ़ियों से नीचे धकेलते और पीछे से गोली मारते हुए दिखाया गया है। हालाँकि, पुलिस ने अभी तक वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है।

1984 के दंगों के प्रस्ताव का हाउस ऑफ कॉमन्स में भारतीय मूल के सांसद ने किया विरोध, भड़क उठा खालिस्तानी पन्नू, दे डाली धमकी

खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून के संगठन, सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को नरसंहार घोषित करने के लिए संसद में एक प्रस्ताव को रोकने के लिए भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य को धमकी दी है। यह धमकी आर्य द्वारा यह कहने के कुछ दिनों बाद जारी की गई थी कि वह हाउस ऑफ कॉमन्स में प्रस्ताव का विरोध करने वाले एकमात्र सांसद थे, जिसने इसके पारित होने को रोक दिया था। आर्य कई मौकों पर कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों के खिलाफ अपना कड़ा रुख व्यक्त किया है। यह भी दावा किया कि प्रस्ताव का विरोध करने पर उन्हें संसद भवन के अंदर धमकी दी गई थी। आर्य ने पिछले हफ्ते ट्वीट करते हुए कहा था कि सरे–न्यूटन के सांसद ने संसद से भारत में सिखों के खिलाफ 1984 के दंगों को नरसंहार घोषित करने का प्रयास किया। मैं सदन में ना कहने वाला एकमात्र सदस्य था और मेरी एक आपत्ति इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने से रोकने के लिए पर्याप्त थी। इसके तुरंत बाद, मुझे खड़े होने और ना कहने के लिए संसद भवन के अंदर धमकी दी गई। सांसद ने यह भी बताया कि कैसे उन्हें हिंदू–कनाडाई समुदाय के बारे में चिंता व्यक्त करने के लिए धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि खालिस्तानी लॉबी इस प्रस्ताव को फिर से आगे लाने की कोशिश कर सकती है। आर्य ने कहा कि मुझे हिंदू–कनाडाई लोगों की चिंताओं को स्वतंत्र रूप से और सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने से रोकने के लिए संसद के भीतर और बाहर कई प्रयास किए गए हैं...

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने पुतिन से परमाणु धमकी न देने का आग्रह किया

ओस्लो, एजेंसी। जापान पर अमेरिकी परमाणु बम हमले में जीवित बचे और इस वर्ष का नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले संगठन के प्रतिनिधि तेरुमी तनाका ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से परमाणु धमकी देना बंद करने का आह्वान किया है। अब 92 वर्ष के हो चुके तेरुमी ने नॉर्वे के ओस्लो में एक समाचार सम्मेलन से एक दिन पहले, सोमवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन से परमाणु धमकी देना बंद करने का आह्वान किया। समारोह में उन्हें इस वर्ष का पुरस्कार जीतने वाले, हिरोशिमा और नागासाकी के बमबारी में जीवित बचे लोगों के संगठन निहोन हिडांक्यो की ओर से व्याख्यान देना है। एक संवाददाता द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या उनके पास पुतिन के लिए कोई संदेश है, तनाका ने कहा कि रूसी नेता बार–बार परमाणु हमले की धमकी देते हैं लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि परमाणु हथियारों का उपयोग कितना विनाशकारी होगा। उन्होंने कहा कि पुतिन को उनके संगठन का संदेश है कि ''परमाणु हथियार ऐसी चीजें हैं जिनका कभी भी इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि यह बात रूसी नेता को सीधे तौर पर भी बताई गई है। एक अनुवादक के माध्यम से तनाका ने कहा ''मुझे नहीं लगता कि उन्होंने इस बारे में कभी सोचा भी है या इसे समझा भी है। इसलिए, वे इस तरह की बातें कहने में सक्षम हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें उनके सोचने के तरीके को बदलना है।'' हिरोशिमा शहर में 6 अगस्त, 1945 को पहले अमेरिकी परमाणु बम विस्फोट में 140,000 लोग मारे गए थे। 9 अगस्त, 1945 को नागासाकी पर दूसरे बम विस्फोट में 70,000 लोग मारे गए थे। 15 अगस्त को जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हो गया। जापान की क्योदो समाचार एजेंसी का कहना है कि जब अमेरिका ने नागासाकी पर परमाणु बम गिराया था, तब तनाका 13 वर्ष के थे और नागासाकी में रह रहे थे। इस हमले में तनाका को कोई बड़ी चोट नहीं लगी, लेकिन उन्होंने अपने परिवार के पाँच सदस्यों को खो दिया। उन्होंने कहा कि तबाह शहर में जले हुए शवों की तस्वीरें उनकी यादों में अब तक बसी हैं।

ब्रिटेन ने सीरियाई लोगों को दिया झटका, शरण देने के फैसले पर लगाई रोक

पीएम ने शांति व स्थिरता का किया आह्वान

लंदन, एजेंसी। सीरिया में हालात बद से बदतर हो गए हैं। देश के ज्यादातर हिस्सों और राजधानी समेत बड़े शहरों पर अब जेहादी बागियों का कब्जा हो चुका है। राष्ट्रपति बशर अल–असद देश छोड़कर रूस की शरण में भाग चुके हैं। इस बीच, ब्रिटेन ने एक बड़ा फैसला लिया है। उसने सीरिया से शरण मांगने वालों को झटका दिया है। दरअसल, शरण देने से संबंधित सभी फैसलों पर फिलहाल रोक लगा दी है। इसी के साथ, यहां के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता का आह्वान किया।

सीरियाई लोगों को शरण देने पर लगाई रोक

गृह विभाग ने कहा कि जर्मनी, ग्रीस और ऑस्ट्रिया के इसी तरह के कदमों के बाद हजारों सीरियाई शरणार्थियों के लिए शरण आवेदनों पर रोक के बाद वह मामलों की समीक्षा करेगा। उसने आगे कहा कि गृह मंत्रालय ने वर्तमान स्थिति का आकलन करने तक सीरियाई लोगों को शरण देने पर रोक लगा दिया है। हम शरण दावों से संबंधित सभी देशों के दिशा–निर्देशों की निरंतर समीक्षा करते रहते हैं, ताकि हम उभरते मुद्दों पर प्रतिक्रिया दे सकें।'

11 मिलियन पाउंड राशि देने का किया था एलान

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब स्टार्मर ने इस सप्ताह मध्य पूर्व के दौरे पर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेतृत्व के साथ बातचीत करते हुए सीरिया के कमजोर और विस्थापित लोगों की मानवीय सहायता के लिए 11 मिलियन पाउंड की राशि का एलान किया था। उन्होंने सोमवार को कहा था कि मध्य पूर्व में जो कुछ भी होता है, उसका देश पर भी असर पड़ता है।

क्या बोले पीएम स्टार्मर?

उन्होंने कहा, इसलिए हम सऊदी अरब के साथ अपनी रक्षा साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं, सीरिया में सबसे कमजोर लोगों की रक्षा कर रहे हैं, लेबनान में अपने सहयोगियों का समर्थन कर रहे हैं और इस्राइल एवं गाजा में संघर्षविराम के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बता दें, प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सीरिया में असद सरकार के पतन का स्वागत

किया था। उन्होंने कहा था कि सीरियाई लोगों ने असद के बर्बर शासन के तहत बहुत लंबे समय तक कष्ट झेला है और हम उनके देश से जाने का स्वागत करते हैं। हमारा ध्यान अब यह सुनिश्चित करने पर है कि राजनीतिक समाधान हो और शांति और स्थिरता बहाल हो। विदेश सचिव डेविड लैमी ने सोमवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में इस बयान को दोहराया, जिसके दौरान उन्होंने असद को एक तानाशाह के रूप में वर्णित किया। वहीं, मंत्री ने कहा कि ब्रिटेन हयात तहरीर अल–शाम (भ्जै) की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रहा है।

यूनाइटेड हेल्थकेयर के ब्म्ट के हत्यारे को पुलिस ने दबोचा, 26 साल के शख्स के पास से फर्जी ID और बंदूक मिली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का न्यूयॉर्क दिसंबर की शुरुआत में एक बड़े हत्याकांड से दहल गया था। यूनाइटेड हेल्थकेयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ब्रायन थॉम्पसन की बुधवार सुबह यानी चार दिसंबर को मैनहट्टन शहर स्थित एक होटल के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हालांकि, अब उनकी हत्या के आरोप में 26 साल के एक लड़के को गिरफ्तार किया है। उस पर फर्जी आईडी और बंदूक रखने का भी आरोप है। जांच अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए शख्स का नाम लुइगी मैंगियोन हैं। उससे लगातार पूछताछ की जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गहरे रंग की स्वेटशर्ट पहने हुए आरोपी को सोमवार शाम छह बजे के बाद पेन्सिलवेनिया की एक अदालत में ले जाया गया। इस दौरान न्यूयॉर्क पुलिस के जासूसों के साथ अल्टूना पुलिस भी मौजूद रही। बता दें, आरोपी को अब 23 दिसंबर को अदालत के सामने पेश होना होगा। पेन्सिलवेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने कहा कि आरोपी पर हत्या का आरोप लगाया जाएगा। हम नीतिगत मतभेदों को हल करने या दृष्टिकोण व्यक्त करने के लिए लोगों की हत्या नहीं करते हैं। हालांकि, पुलिस ने उन खबरों की पुष्टि नहीं की है, जिसमें कहा जा रहा कि घटनास्थल पर मिले दस्तावेजों पर देरी और इनकार शब्द लिखे हुए थे। जो आमतौर पर दावों को अस्वीकार करने के लिए बीमा कंपनियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा है। इससे अपराध के पीछे संभावित राजनीतिक मकसद का संकेत मिलता है।

अंतरराष्ट्रीय–घरेलू स्तर पर बुरे फंसे नेतन्याहू, जंग के बीच पहली बार भ्रष्टाचार मामले में देंगे गवाही

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फिलहाल मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उन पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर कानूनी मामले चल रहे हैं। एक तरफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नेतन्याहू के खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। वहीं दूसरी ओर, नेतन्याहू को इस्राइल में भी भ्रष्टाचार के एक मुकदमे में गवाही देनी है। अगर वह इस मामले में दोषी पाए गए तो उनका सियासी सफर खत्म हो सकता है। आईसीसी के मुकदमे पर नेतन्याहू को देश में समर्थन मिलता दिख रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में जनता की राय उन पर बंटी हुई है। अदालतों के लगाने पड़ सकते हैं कई चक्कर

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के खिलाफ इस्राइल में लंबे समय से भ्रष्टाचार का मामला चल रहा है। इसी मामले में आज वह अदालत के सामने अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हैं। अंदाजा लगाया जा रहा कि उन्हें कई सप्ताह तक अदालत और युद्ध कक्ष के बीच चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

एक साल से हमास के साथ जंग जारी

इस्राइल पिछले एक साल से भी अधिक समय से गाजा में फलस्तीनी समूह हमास के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है, जिसके दौरान नेतन्याहू को अदालत में पेश होने के लिए मोहलत दी गई थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।